■ भाद्रपद शुक्ल - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 44 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 05-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 माफियाओं के आगे नाक रगड़ने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे : आदित्यनाथ

6 भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव

7 महिलाओं ने 'बुरे वक्त' का सामना हमेशा ही किया है : अनन्या पांडे

फर्स्ट टेक

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में सुनवाई टली

प्रयागराज/भाषा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को सुनवाई 23 सितंबर तक के लिए टाल दी। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत कर रही है। इससे पूर्व, एक अगस्त, 2024 को अदालत ने मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा था कि यह वाद पोषणीय (सुनवाई योग्य) है। यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाने के बाद जमीन का कब्जा लेने और मंदिर का पुनर्निर्माण के लिए दायर किया गया है। यह विवाद मथुरा में मुगल बादशाह औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है जिसे कथित तौर पर भगवान कृष्ण की जन्मस्थली पर एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाया गया है।

बिहार के भाजपा सांसद को गैंगस्टर से मिला धमकी भरा संदेश

अररिया/भाषा। बिहार के अररिया लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद प्रदीप सिंह को एक कुख्यात अपराधी ने धमकी भरा संदेश भेजकर उनसे 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी है। साथ ही गैंगस्टर ने अपने दो भाइयों की रिहाई में मदद करने की भी मांग की है और मांगें पूरी न होने पर सांसद को जान से मारने की धमकी दी है। अररिया पुलिस द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, स्थानीय सांसद प्रदीप सिंह ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में कहा है कि 27 अगस्त को उनके मोबाइल फोन पर नेपाल के 'आईएसडी कोड' वाले नंबर से एक संदेश आया। सिंह के अनुसार, ''संदेश भेजने वाले ने खुद को विनोद राठौड़ बताया है। उसने संदेश में 10 लाख रुपये और अपने दो भाइयों की रिहाई के लिए सांसद के हस्तक्षेप की मांग की है।''

जॉर्जिया के हाई स्कूल में हुई गोलीबारी में कुछ लोग घायल

विंडेर/एपी। जॉर्जिया के एक हाई स्कूल में गोलीबारी की घटना में कुछ लोगों के घायल होने की खबर है। स्थानीय शेरिफ कार्यालय ने यह जानकारी दी। बैरो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक बयान में कहा कि स्कूल को बंद कर दिया गया है और इस सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। बयान के अनुसार सुबह लगभग साढ़े दस बजे कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों और अग्निशमन कर्मियों को कथित गोलीबारी की सूचना के बाद हाई स्कूल भेजा गया।

सूर्यास्त	सूर्योदय
05-09-2024 6:27 बजे	06-09-2024 6:08 बजे

BSE	NSE
82,352.64	25,198.70
(-202.80)	(-81.15)

सोना	चांदी
7,531 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	86,409 रु. प्रति किलो

सरकार ने त्रिपुरा के दो उग्रवादी समूहों के साथ शांति समझौता पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र खासकर आदिवासियों की संस्कृति, भाषा और पहचान को संरक्षित रखते हुए उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न सिर्फ पूर्वोत्तर और दिल्ली के बीच की खाई को पाटकर उन्हें सड़क, रेलवे और उड़ानों के जरिए जोड़ा है, बल्कि दिलों के बीच की दूरी को भी पाटा है।

शाह यहां 'नॉर्थ ब्लॉक' में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां केंद्र और त्रिपुरा सरकार तथा राज्य के दो उग्रवादी समूहों ने एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का मकसद पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा को समाप्त करना और शांति लाना है। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर के साथ ही शांति और प्रगति की दिशा में त्रिपुरा की यात्रा में आज एक नया मील का पत्थर स्थापित हो गया।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और गृह मंत्रालय तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के प्रतिनिधियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद थे।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार में अपना भरोसा जताते हुए एनएलएफटी और एटीटीएफ ने 35 साल पुराने संघर्ष को समाप्त करने और मुख्यधारा में लौटने, हिंसा छोड़ने और समृद्ध एवं विकसित त्रिपुरा के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध होने पर सहमति दी है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार पूर्वोत्तर के, खासकर आदिवासी समूहों की संस्कृति, भाषा और पहचान को संरक्षित रखते हुए, समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, सरकार ने पूर्वोत्तर में हस्ताक्षरित सभी शांति समझौतों को लागू किया है। उन्होंने कहा कि उग्रवाद, हिंसा और संघर्ष से मुक्त विकसित पूर्वोत्तर के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को पूरा करने के लिए गृह मंत्रालय अथक प्रयास कर रहा है।

भारत 'विस्तारवाद की नहीं, विकास की नीति का समर्थन करता है' : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंदर सेरी बेगवान/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परोक्ष रूप से चीन के संदर्भ में बुधवार को कहा कि भारत ''विस्तारवाद की नहीं बल्कि विकास की नीति'' का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री मोदी की ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा के दौरान दोनों देशों ने क्षेत्र में ''नौवहन की स्वतंत्रता'' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

प्रधानमंत्री की सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के साथ रक्षा, व्यापार समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ भारत और ब्रुनेई ने द्विपक्षीय साझेदारी को 'उच्च स्तर तक' बढ़ाने की कवायद को अमली जामा पहनाया। मोदी ने सुल्तान बोलकिया द्वारा आयोजित भोज में किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, ''हम विस्तारवाद की नहीं बल्कि विकास की नीति का समर्थन करते हैं।''

चीन का दक्षिण चीन सागर (एससीएस) और पूर्वी चीन सागर (ईसीएस) में कई देशों के साथ विवाद है। चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपीन, मलेशिया, वियतनाम, ब्रुनेई और ताइवान भी इस पर अपना दावा करते हैं। मोदी ने कहा, ''हम इस बात पर सहमत हैं कि इस क्षेत्र में एक आचार संहिता को अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा आसियान (दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) को प्राथमिकता दी है और आगे भी ऐसा करता रहेगा।

■ दोनों नेताओं ने शांति, स्थिरता, समुद्री रक्षा और सुरक्षा को बनाए रखने एवं बढ़ावा देने के साथ नौवहन एवं उड़ान की स्वतंत्रता का सम्मान करने एवं अंतरराष्ट्रीय कानून विशेष रूप से यूएनसीएलओएस, 1982 के अनुरूप निर्बाध वैध व्यापार की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा पर आने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''हम यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि) जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।''

दोनों नेताओं की वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। बयान के अनुसार, ''दोनों नेताओं ने शांति, स्थिरता, समुद्री रक्षा और सुरक्षा को बनाए रखने एवं बढ़ावा देने के साथ नौवहन एवं उड़ान की स्वतंत्रता का सम्मान करने एवं अंतरराष्ट्रीय कानून विशेष रूप से यूएनसीएलओएस, 1982 के अनुरूप निर्बाध वैध व्यापार की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।''

इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से यूएनसीएलओएस 1982 के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से विवादों को सुलझाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सिंगापुर पहुंचे

सिंगापुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र सिंगापुर के साथ ''रणनीतिक साझेदारी को गहरा'' करने और निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को यहां पहुंचे । प्रधानमंत्री मोदी ब्रुनेई की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा समाप्त करने के बाद सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर इस दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की अपनी पांचवीं आधिकारिक यात्रा के तहत यहां पहुंचे। नई दिल्ली में अधिकारियों ने बताया कि दो दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री सिंगापुर के नेतृत्व की तीन पीढ़ियों से संवाद करेंगे। सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग ने रात्रिभोज के लिए अपने तेमासेक बंगले पर मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी की सरकार को जल्द हटा देंगे : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने दावा किया कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आत्मविश्वास खो चुके हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आत्मविश्वास खो चुके हैं और वह समय दूर नहीं जब उनकी सरकार सत्ता में नहीं रहेगी।

जम्मू कश्मीर के बनिहाल विधानसभा क्षेत्र के संगलदान में एक चुनावी रैली में राहुल गांधी ने दावा किया कि केंद्र सरकार को प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उनके

कॉरपोरेट मित्र चला रहे हैं।

बेरोजगारी के मुद्दे पर मोदी पर निशाना साधते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा कि माल एवं सेवाकर (जीएसटी) और नोटबंदी से छोटे कारोबारियों के हितों को नुकसान पहुंचा है क्योंकि सरकार दो अरबपतियों के लिए काम कर रही है।

गांधी ने कहा, मुझे मोदी के कॉरपोरेट मित्रों अदाणी और अंबानी का नाम न लेने को कहा गया, इसलिए मैं उनके लिए ए1 और ए2 जैसे उपनामों का इस्तेमाल कर रहा हूं। यह सरकार 'हम दो, हमारे दो' की तरह है – मोदी और शाह, तथा अंबानी और अदाणी – ये चारों वास्तव में सरकार चला रहे हैं।

कांग्रेस नेता गांधी ने आरोप लगाया कि संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने के बाद जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा छीन लिया गया ताकि दो अरबपतियों को लाभ पहुंचाया जा सके।''

फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज टली

अदालत का तत्काल प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश देने से इनकार

मुंबई/भाषा। कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' को बुधवार को बंबई उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली। उच्च न्यायालय ने सेंसर बोर्ड को फिल्म के तत्काल प्रमाणन संबंधी कोई भी निर्देश देकर तुरंत राहत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बी पी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की खंडपीठ ने कहा कि वह मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देश के मद्देनजर इस स्तर पर तत्काल कोई राहत नहीं दे सकती, जिसमें सेंसर बोर्ड को निर्देश दिया गया है कि वह फिल्म के प्रमाणन से पहले आपत्तियों पर विचार करे। अदालत ने कहा कि अगर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का आदेश नहीं होता तो वह 'आज' ही केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दे देती। यह फिल्म छह सितंबर को रिलीज होनी थी लेकिन यह विवादों में घिर गई है क्योंकि सिख संगठनों का आरोप है कि इसमें सिख समुदाय को तथा ऐतिहासिक तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया गया है।

ईपीएफओ पेंशनभोगी देश के किसी भी बैंक से ले सकेंगे पेंशन : मांडविया

जनवरी 2025 से लागू होगी नई व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की पेंशन योजना के दायरे में आने वाले पेंशनभोगी जनवरी से किसी भी बैंक या उसकी शाखा से पेंशन ले सकेंगे।

श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि मांडविया ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) 1995 के लिए एक केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वह ईपीएफओ के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) के चेयरपर्सन भी हैं। बयान के अनुसार, केंद्रीकृत पेंशन भुगतान व्यवस्था से पूरे देश में किसी भी बैंक या किसी भी शाखा के माध्यम से पेंशन का वितरण हो सकेगा।

मंत्री ने कहा, ''सीपीपीएस की मंजूरी कर्मचारी भविष्य निधि

संगठन (ईपीएफओ) के आधुनिकीकरण की दिशा में मील का पत्थर है। इसके तहत पेंशनधारक देश में कहीं भी, किसी भी बैंक, किसी भी शाखा से अपनी पेंशन प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल लंबे समय से चली आ रही पेंशधारकों की समस्याओं का समाधान करती है। यह व्यवस्था एक निर्बाध और कुशल वितरण प्रणाली सुनिश्चित करती है।'' उन्होंने कहा कि यह ईपीएफओ को अपने सदस्यों और पेंशनधारकों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए अधिक मजबूत, उत्तरदायी और तकनीक-सक्षम संगठन में बदलने के हमारे प्रयासों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली से ईपीएफओ के 78 लाख से अधिक ईपीएस-95 पेंशनधारकों को लाभ होने की उम्मीद है।

केंद्रीकृत प्रणाली पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की आवश्यकता के बिना पूरे देश में पेंशन का निर्बाध वितरण सुनिश्चित करेगी। यह उन पेंशनधारकों के लिए बड़ी राहत होगी जो सेवानिवृत्ति के बाद अपने गृहनगर चले जाते हैं।

यह सुविधा एक जनवरी, 2025 से ईपीएफओ की चल रही सूचना प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण परियोजना केंद्रीकृत आईटी युक्त प्रणाली (सीआईटीईएस 2.01) के हिस्से के रूप में शुरू की जाएगी। अगले चरण में, सीपीपीएस आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) में एक सुचारु परिवर्तन लाएगी।

दोपहिया वाहन खरीदारों को कम कीमत पर हेलमेट उपलब्ध कराएं वाहन विनिर्माता : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को दोपहिया वाहन विनिर्माताओं से वाहन खरीदारों को छूट या उचित दर पर हेलमेट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि कई लोग हेलमेट नहीं पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा देते हैं। वर्ष 2022 में हुए सड़क हादसों में 50,029 लोगों की मौत हेलमेट नहीं पहनने की वजह से हो गई थी। उन्होंने कहा, ''मैं दोपहिया वाहन निर्माताओं से अनुरोध करने के बारे में सोच रहा हूं। अगर वे वाहन खरीदने वालों को हेलमेट पर कुछ उचित छूट दे सकें तो लोगों की जान हम बचा सकते हैं।''

इसके साथ ही गडकरी ने स्कूल बसों के लिए पार्किंग व्यवस्था की योजना बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 में यातायात उल्लंघनों पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है, लेकिन असल में इन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना एक बड़ी चुनौती है।

गडकरी ने कहा कि वह सुरक्षित यातायात को बढ़ावा देने के लिए देश के हर तालुका में ड्राइविंग स्कूल खोलना चाहते हैं।

बोको हरम के हमले में 100 से अधिक लोगों मौत

मैदुगुरी/एपी। पूर्वोत्तर नाइजीरिया में संदिग्ध बोको हरम चरमपंथियों ने बाजार, नमाजियों और लोगों के घरों में गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 100 ग्रामीण मारे गये। स्थानीय निवासियों ने बुधवार को यह दावा किया। योबे पुलिस के प्रवक्ता डुंगस अब्दुलकरीम ने बताया कि रविवार शाम को 50 से अधिक चरमपंथी मोटरसाइकिलों से योबे प्रांत के तारमुवा परिषद क्षेत्र में घुस गये और इमारतों में आग लगाने से पहले उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। योबे के उप-गवर्नर इदी बार्डे गुबाना ने रविवार को हुए हमले में मरने वालों की संख्या 34 बताई है। समुदाय के नेता जना उमर ने कहा कि उप-गवर्नर ने हमले में मारे गये जिन 34 लोगों के बारे में बताया है, वे एक ही गांव के हैं। उन्होंने कहा कि अब तक हमले में 102 ग्रामीणों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों को या तो अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही दफना दिया गया था।

छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित करने का दायित्व शिक्षकों का : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, आलोचनात्मक सोच कौशल और समाज के प्रति कर्तव्य की भावना उत्पन्न करें। मुर्मू ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर देश भर के शिक्षकों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। एक विद्यार्थी के रूप में वे जीवन-कौशल और मूल्यों को सीखते हैं। देश के शिक्षक एक मार्गदर्शक के रूप में

विद्यार्थियों को भविष्य के अधिनायकों के रूप में ढाल सकते हैं, जो हमारे देश के भविष्य को आकार देंगे।'' उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भारत की भावी पीढ़ी के मस्तिष्क को पोषित करने और समग्र उत्कृष्टता की ओर उनका मार्गदर्शन करने का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है।

मुर्मू ने कहा, ''शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, आलोचनात्मक सोच कौशल और समाज के प्रति कर्तव्य की भावना उत्पन्न करें।''

राष्ट्रपति के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित शिक्षा प्रदान करने के आधुनिक तौर-तरीकों और प्रौद्योगिकी के इष्टतम उपयोग के माध्यम से, शिक्षक छात्र-छात्राओं को एक फलदायक जीवन यापन करने तथा एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए सशक्त बना सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''मैं शिक्षक दिवस के अवसर पर देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। यह दिवस महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती का दिन है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणा के महान स्रोत हैं। मैं इस अवसर पर उन्हें अपनी तरफ से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।'' उन्होंने शिक्षक समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के एक प्रबुद्ध समुदाय के निर्माण के प्रयास में उनकी सफलता की कामना की।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दण्ड महात्म्य

पद की मर्यादाएं रखना,
नैतिक जिम्मेदारी है।
न्याय और न्यायालय ने भी,
यही बात स्वीकारी है।
दण्ड सचेतक है गलती का,
इसकी गरिमा न्यारी है।
इज्जतदारों के ऊपर तो,
इक रुपया भी भारी है।।

दुनिया को दुःख-मुक्त करने आये थे महावीर : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

श्रद्धा भक्ति से मनाया प्रभु महावीर का जन्मोत्सव

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में पर्युषण महापर्व के अंतर्गत बुधवार को चौबीसवें तीर्थंकर महावीरस्वामी का जन्मोत्सव अत्यंत हर्ष-उल्लास से मनाया गया। हजारों श्रद्धालु इस उत्सव में सम्मिलित हुए। लोगों ने कुमकुम लगाकर, गुलाबजल लगाकर और श्रीफल प्रदान कर एक दूसरे को प्रभुजन्म की बधाई दी। सभी ने कतारों में खड़े रहकर प्रभु का झूला झुलाया।

इससे पूर्व माता त्रिशला को आये चौदह महान स्वप्नों को तकनीक के आधार पर आसमान ऊपर से उतार कर सकल संघ को दर्शन कराए गए। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि महावीर ने अपरिग्रह और अनेकांतवाद के जो सिद्धांत दिए, वे विश्वशांति की आधारशिला बन सकते हैं। विनाश के कगार पर खड़ी दुनिया अपने अस्तित्व की शायद यह आखरी लड़ाई लड़ रही है। चारों ओर हिंसा, युद्ध व अनैतिकता का वातावरण जोर पकड़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति में महावीर के उपदेशों पर दुराग्रह मुक्त चिंतन होना चाहिए। महावीर को जैन धर्म के तीर्थंकर के रूप में नहीं, देश, काल और संप्रदायों की सीमा से ऊपर उठकर समझा जाना चाहिए।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीर दुनिया को दुःखों से मुक्ति दिलाने आए थे। मगध की भूमि के इस राजपुत्र ने सभी जाति-वर्गों की उन्नति का उपदेश दिया। अपनी परंपरा में उन्होंने मात्र वैश्य, क्षत्रिय और ब्राह्मण ही नहीं, क्षुद्र-दलितों को भी सम्मिलित कर मानवीय इतिहास में क्रांतिकारी कदम उठाया था। हरिजन व दलित परिवार के मुनि मेतारज और मुनि हरिकेशी को अपने संघ में सम्मिलित कर वर्धमान महावीर ने समानता का अद्भुत आदर्श प्रस्तुत किया।

बारह वर्षों का उनका संपूर्ण साधना काल तपस्या, धीरता और सहनशीलता में बीता। अहिंसा और क्षमा उनकी साधना के प्राणबिंदु थे। अपकारी के प्रति भी उन्होंने उपकार की वर्षा की। प्रतिकार, तिरस्कार और वैमनस्य उनके जीवन से सर्वथा परे थे। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि बुधवार को देश-विदेश में करीब पैंतालीस हजार से अधिक स्थानों पर महावीरस्वामी का जन्मोत्सव मनाया गया।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना देश के सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डूरू (जम्मू कश्मीर)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना देश के सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है और आश्वासन दिया कि यदि मोदी सरकार विधानसभा चुनाव के बाद इसे बहाल करने में विफल रहती है तो केंद्र में सत्तारूढ़ होने पर 'इंडिया' गठबंधन सरकार का यह पहला निर्णय होगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह बात जम्मू-कश्मीर के डूरू विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कही। यह श्रीनगर से 75 किलोमीटर दूर स्थित है। कांग्रेस-नेशनल कान्फ्रेंस (नेकां) गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर इस सीट से कांग्रेस महासचिव जी ए मीर चुनाव लड़ रहे हैं।

गांधी ने कहा, ''जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना न केवल कांग्रेस पार्टी या 'इंडिया' गठबंधन की जिम्मेदारी है, बल्कि देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चाहती थी कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा विधानसभा चुनाव से पहले बहाल हो जाए, लेकिन भाजपा चुनाव के बाद ऐसा करना चाहती थी। उन्होंने कहा, ''एक बात तो तय है कि जम्मू-कश्मीर को उसका राज्य का दर्जा वापस मिलेगा, मैं इसकी गारंटी देता हूं। या तो भाजपा इसे बहाल करेगी (चुनावों के बाद) या जब 'इंडिया' गठबंधन (केंद्र में) अगली सरकार बनाएगी, तो यह पहला निर्णय होगा।''

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद के लिए एमवीए के तीनों दल होड़ में : पीयूष गोयल

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को दावा किया कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के तीनों प्रमुख घटक महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद पाने के लिए उत्सुक हैं।

वे उन खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे जिनमें कहा गया था कि एमवीए के सहयोगी – कांग्रेस, राकांपा (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) – यह तय कर सकते हैं कि आगामी विधानसभा चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली पार्टी को प्रमुख पद मिलेगा।

गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, तीनों घटक दल शीर्ष पद की दौड़ में हैं...यह उनका आंतरिक मामला है। उत्तर मुंबई से भाजपा सांसद गोयल ने उन दावों का भी खंडन किया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में विकास प्रभावित हो रहा है क्योंकि निकाय चुनाव दो साल से अधिक समय से लंबित हैं और बृहन्मुंबई नगर निगम एक प्रशासक के अधीन है। उन्होंने कहा, बीएमसी में प्रशासक हैं, इस वजह से उत्तर मुंबई के विकास में कोई देरी नहीं हुई है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
बिकाऊ
बुल टेम्पल रोड पर बंगला बिकाऊ है
चामराजपेट बुल टेंपल रोड पर
2200 वर्गफीट, ग्राउंड +
दो फ्लोर, 5 अचेड बेडरुम,
100% वास्तु अनुरुप,
well constructed,
East facing, independent
बंगला बिकाऊ है
संपर्क
प्रकाश 9448385652

नाम परिवर्तन
CHANGE OF NAME
I, **PRIYANKA MALLIK** (38), W/o Sanjeev Kumar, residing at No. C-204, Sai Sanvi Grandeur, Survey No.42, Opp to Unlimited Store, Ramamurthy Nagar, B'lore-16 declares that in Aadhaar and Pan Card my name is mentioned PRIYANKA MALLIK but in my Educational records as PRIYANKA KUMARI. Both the names belongs to the same person i.e. me **PRIYANKA MALLIK.** I declare the same vide Affidavit Dated 3.9.2024 before notary Udaykumar K. Bangalore.

सुरक्षित ड्रोन संचालन के लिए दिशानिर्देशों पर काम कर रहे हैं नागर विमानन, गृह मंत्रालय: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि नागर विमानन और गृह मंत्रालय ड्रोन के सुरक्षित संचालन के साथ-साथ उसके महत्तम इस्तेमाल के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को लेकर काम कर रहे हैं।

मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार मणिपुर में हाल की घटना के संदर्भ में गलत मकसद से उड़ाए जा रहे ड्रोन के मामलों से निपटने के लिए किसी विशेष योजना पर विचार कर रही है। मणिपुर में हाल ही में जातीय हिंसा के दौरान उग्रवादियों ने बम गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। नायडू ने कहा, '' ड्रोन को लेकर सुरक्षा का पहलू भी है। हम गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुछ दिशानिर्देश तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं और यदि आवश्यक हुआ तो इसके लिए एक अधिनियम भी बनाया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि दिशानिर्देशों का मकसद सुरक्षित संचालन और ड्रोन का अधिकतम इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में अंतर-मंत्रालयी परामर्श किया जा रहा है। सरकार विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कई कदम भी उठा रही है। नायडू ने राष्ट्रीय राजधानी में एक सम्मेलन से इतर कहा, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न गतिविधियों, खासकर कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल का काफी समर्थन कर रहे हैं...जब हम दिशानिर्देश तैयार करते हैं तो इसमें ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के साथ सुरक्षा के पहलू को भी ध्यान में रखना होता है।''

केंद्र ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में आठ लाख आवास के लिए मंजूरी दी : मुख्यमंत्री साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में आठ लाख से अधिक घरों के निर्माण को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उनकी सरकार ने केंद्र से राज्य में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए पीएमएवाई के तहत अलग से घरों को मंजूरी देने का अनुरोध किया है। छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार (2018-23) की आलोचना करते हुए साय ने आरोप लगाया कि वह राज्य में इस योजना को लागू करने में विफल रही, जिसके चलते 18 लाख परिवार पक्के (कंक्रीट) घरों से वंचित रह गए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आवास योजना को लागू करने में खास रुचि नहीं दिखाई जिसके कारण 18 लाख परिवारों को योजना तहत घर नहीं मिल सके। बघेल सरकार ने इस योजना के लिए राज्य के हिस्से की 40 प्रतिशत राशि वितरित नहीं की क्योंकि योजना में 'प्रधानमंत्री' शब्द जुड़ा था और उन्हें डर था कि इसका श्रेय भाजपा सरकार (केंद्र में) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाएगा।'' पिछले साल दिसंबर में पदभार संभालने वाले मुख्यमंत्री

साय ने कहा कि नवनिर्वाचित भाजपा सरकार ने अपनी पहली मंत्रिमंडल बैठक में पीएमएवाई (2023 विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा पार्टी द्वारा की गई एक प्रमुख घोषणा) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लाभार्थियों के लिए 18 लाख घरों की मंजूरी दी और राज्य के हिस्से की धनराशि की भी व्यवस्था की। साय ने कहा कि मंगलवार को केंद्र ने छत्तीसगढ़ में पीएमएवाई के तहत 8,46,931 घरों के निर्माण की मंजूरी दी हैं और इस फैसले के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। साय ने बताया कि उनकी सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए पीएमएवाई के तहत अलग से घरों के निर्माण को मंजूरी देने का केंद्र से अनुरोध किया है। साय ने कहा, ''हमने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान (जिनके पास कृषि और ग्रामीण विकास विभाग है) से आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए पीएमएवाई के तहत अलग से घर स्वीकृत करने का अनुरोध किया है, जिस पर उन्होंने विचार करने पर सहमति जताई है।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की भाजपा सरकार इन लोगों के लिए 10,000 घर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक नई योजना 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गांव) शुरू की है, जिसके तहत सुरक्षा शिविरों के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में विकास कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों(पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) योजना के तहत राज्य में 24,064 घर स्वीकृत किए गए और उनमें से अधिकांश पूरे हो चुके हैं।

गुजरात में भारी बारिश से एक सप्ताह में 49 लोगों की मौत, 37,000 लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में अगस्त के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश के कारण 49 लोगों की मौत हो गई। विभिन्न इलाकों में सड़कें क्षतिग्रस्त होने और बाढ़ आने के बाद एनडीआरएफ और सेना सहित विभिन्न एजेंसियों ने 37,000 से अधिक लोगों को बचाया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गहरे दबाव के कारण 25 से 30 अगस्त के बीच गुजरात के कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई। राज्य राहत आयुक्त आलोक कुमार पांडे ने बताया कि गुजरात-राजस्थान सीमावर्ती इलाकों में बना दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे अरब सागर की तरफ बढ़ गया (जो बाद में चक्रवाती तूफान असना में बदल गया)।

गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) में पांडे ने संवाददाताओं को बताया कि इस अवधि के दौरान, बिजली गिरने, दीवार गिरने और पानी में डूबने जैसी वर्षा जनित घटनाओं में 49 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा, ''49 मौतों में से 22 के परिजनों को पहले ही नियमों के अनुसार मुआवजे के तौर पर 4-4 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मारे गए 2,618 पशुओं के मालिकों को 1.78 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई है।'' उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में अब तक औसत वार्षिक वर्षा का 108 प्रतिशत बारिश हुई है। राज्य राहत आयुक्त ने बताया कि भारी बारिश के मद्देनजर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 17 टीम, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 27 टीम, सेना की नौ टुकड़ियां तथा वायुसेना और तटरक्षक की अतिरिक्त टीम तैनात की गईं। पांडे ने कहा, ''विभिन्न टीम ने 37,050 लोगों को सफलतापूर्वक बचाया और 42,083 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इसके अलावा, 53 लोगों को हवाई मार्ग से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।'' उन्होंने कहा कि बारिश से प्रभावित जिलों में मकानों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण किया जा रहा है, जिसमें आंशिक रूप से या नष्ट हुए मकान भी शामिल हैं। पांडे ने कहा कि भारी बारिश के कारण 2,230 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिन्हें अगले 10 दिन में मरम्मत कर यातायात योग्य बना दिया जाएगा।

वधावन बंदरगाह को लेकर वैश्विक आकर्षण, पैदा होंगे 12 लाख रोजगार: सोनोवाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के पालघर में निर्माणाधीन वधावन बंदरगाह को लेकर दुनियाभर से दिलचस्पी दिखाई जा रही है और इसके चालू हो जाने पर करीब 12 लाख रोजगार पैदा होंगे।

सोनोवाल ने यहां सागरमंथन समारोह के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस बड़े कंटेनर बंदरगाह का विकास 10 अरब डॉलर के अनुमानित निवेश से किया जा रहा है। इसके चालू हो जाने पर 12 लाख से अधिक रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इसे लेकर खासा वैश्विक आकर्षण भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में इस बंदरगाह की आधारशिला रखी है।

सोनोवाल ने हरित बदलाव की दिशा में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रीन टग ट्रांजिशन कार्यक्रम न केवल भारत को लाभान्वित करेगा बल्कि जलवायु परिवर्तन में अन्य देशों के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम करेगा।

उन्होंने वैश्विक नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं सहित सभी हितधारकों को मुंबई में 18-19 नवंबर को होने वाले 'सागरमंथन' समारोह के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने महासागरों की अपार क्षमता का दोहन करने और सभी के लिए समावेशी और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

समुद्री संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाने की जरूरत: सान्याल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने बुधवार को कहा कि भारत समुद्री संचालन में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की ओर बढ़ रहा है। इसलिए उसे जहाजों और पोत परिवहन बुनियादी ढांचे के प्रति अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने और समुद्री संसाधनों और क्षमताओं में निवेश, निर्माण और उपयोग के तरीके में बदलाव लाने की जरूरत है।

सान्याल बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के सहयोग से ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित किए जाने वाले 'सागरमंथन : द ग्रेट ओशन्स डायलॉग' के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आयोजकों के बयान में कहा गया, ''यह कार्यक्रम 18-19 नवंबर, 2024 को होगा... आगामी वार्ता नीली अर्थव्यवस्था, समुद्री लॉजिस्टिक, बंदरगाह, पोत परिवहन, जलमार्ग, महत्वपूर्ण खनिज, विविध आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक समुद्री अर्थव्यवस्था एवं प्रशिक्षण और श्रम मानकों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।'' अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में अपनी बढ़ती प्रमुखता के साथ, भारत समुद्री संचालन व्यवस्था में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। बयान में सान्याल के हवाले से कहा गया, ''स्वतंत्रता के बाद दशकों तक, भारत का दुनिया के प्रति एक दृष्टिकोण सीमित दायरे था। हालांकि, यह बदल रहा है।

भारत को अब एक समुद्री राष्ट्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। हमारे आर्थिक अस्तित्व के लिए समुद्री स्थान महत्वपूर्ण है। हमें जहाजों और पोत परिवहन बुनियादी ढांचे के प्रति अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, जिससे हम अपने समुद्री संसाधनों और क्षमताओं में निवेश, निर्माण और उपयोग करने के तरीके को बदल सकें।''

सरकार आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है: शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केंद्र आंध्र प्रदेश में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है और उसने विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है जो राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जायजा लेगी और तत्काल राहत के लिए सिफारिशें करेगी। बारिश और बाढ़ के कारण राज्य में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ के कारण आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों, खासकर विजयवाड़ा में काफी नुकसान हुआ है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि मोदी सरकार आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा, ''गृह मंत्रालय ने आज अतिरिक्त सचिव (आपदा प्रबंधन) के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम गठित की।'' गृह मंत्री ने कहा, ''यह टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी, बाढ़ प्रबंधन, जलाशय प्रबंधन, बांध सुरक्षा के मुद्दों आदि का मौके पर जाकर आकलन करेगी और तत्काल राहत के लिए सिफारिशें करेगी।''

तेलंगाना सरकार ने बाढ़ के बाद राहत कार्य तेज किए

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना सरकार ने भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित खम्मम और अन्य स्थान पर बुधवार को राहत कार्य तेज कर दिए। इस बीच, अधिकारियों ने भद्राचलम में बाढ़ को लेकर पहली चेतावनी जारी की, क्योंकि मंगलवार दोपहर गोदावरी नदी का जलस्तर 43 फुट तक पहुंच गया था। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि भदाद्री-कोथागुडेम जिले के कलेक्टर जितेश वी. पाटिल ने अधिकारियों को भद्राचलम में संवेदनशील इलाकों के निवासियों को राहत शिविरों में भेजने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा कि अगर जलस्तर 53 फुट तक पहुंचा तो तीसरी और अंतिम चेतावनी जारी की जाएगी। भद्राचलम में प्रसिद्ध भगवान राम मंदिर है, जिसे 'दक्षिण का अयोध्या' भी कहा जाता है। अधिकारियों ने खम्मम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वच्छता, जल व बिजली आपूर्ति बहाली समेत बाढ़ के बाद वाले राहत कार्य तेज कर दिए हैं। इस बीच, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राज्य में बारिश व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री (गृह) बी. संजय कुमार और लोकसभा सांसद ए. राजेंदर के नेतृत्व में दो अलग-अलग टीमों का गठन किया है। आईएमडी के मौसम केंद्र ने विशेष मौसम बुलेटिन में कहा कि पांच अगस्त को जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु जिलों में विभिन्न स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

बिना टिकट यात्रियों के झूठे आरोपों से निपटने के लिए टीटीई ने की 'बॉडीकैम' की मांग

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे टिकट चेकिंग स्टाफ संगठन ने बिना टिकट सफर करने वाले यात्रियों द्वारा लगाए गए 'छेड़छाड़ के झूठे आरोपों और जान से मारने की धमकियों' से निपटने के लिए रेलवे बोर्ड से 'बॉडी कैमरे' की मांग की है। संगठन ने इन मांगों को रखते हुए हाल के कुछ मामलों का जिक्र किया, जिनमें बिना टिकट सफर करने वाले यात्रियों ने टिकट मांगने पर गालियां दीं, छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई और जब ट्रेन टिकट निरीक्षकों (टीटीई) ने उनसे जुर्माना भरने के लिए कहा तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी। आईआरटीसीएसओ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, ''बॉडी कैमरा से हमें छेड़छाड़ के झूठे आरोपों से बचाने के लिए साक्ष्य जुटाने और बिना टिकट यात्रियों द्वारा दुर्व्यवहार या जान से मारने की धमकी दिए जाने की स्थिति में कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।'' रेलवे ने टिकट जांच करने वाले कुछ कर्मचारियों को पिछले साल प्रायोगिक तौर पर 'बॉडी कैमरे' उपलब्ध कराए थे, लेकिन इसे औपचारिक रूप से शुरू नहीं किया गया है।

मूर्तिकार जयदीप आप्टे की तलाश में जुटी हैं सात टीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवाजी प्रतिमा मामला

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में पुलिस ने मूर्तिकार एवं ठेकेदार जयदीप आप्टे का पता लगाने के लिए सात से अधिक टीमें लगाई हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में जयदीप आप्टे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि 26 अगस्त को प्रतिमा के ढहने के दिन से ही पुलिस 24 वर्षीय आप्टे की तलाश कर रही है, लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि सिंधुदुर्ग पुलिस ने आप्टे के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया है, ताकि उसे समुद्री बंदरगाहों, हवाई अड्डों और अन्य सभी निकास बिंदुओं से देश छोड़ने से रोका जा सके। सिंधुदुर्ग पुलिस की टीमें मुंबई, ठाणे, सिंधुदुर्ग और कोल्हापुर समेत कई जगहों पर आप्टे की तलाश कर रही हैं। अधिकारी ने बताया कि कुछ टीमें आरोपी को पकड़ने के लिए तकनीकी मदद का भी इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम ठाणे जिले के कल्याण के दुधनाका स्थित आप्टे के आवास पर गयी थी, लेकिन वहां ताला लगा हुआ था। आप्टे ने मराठा योद्धा शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा बनाने का ठेका लिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चार दिसंबर को नौसेना दिवस के अवसर पर इसका उद्घाटन किये जाने के बाद नौ माह से भी कम समय में यह प्रतिमा 26 अगस्त को गिर गयी थी। इस प्रतिमा के गिरने के बाद मालवण पुलिस ने आप्टे और 'स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट' चेतन पाटिल के खिलाफ लापरवाही और अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया है। पाटिल को पिछले सप्ताह कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया था।

कांग्रेस एक ऐसी पार्टी, जो सत्ता के लिए सत्ता में है : विजयेंद्र

भाजपा के सदस्यता अभियान में कर्नाटक को अव्वल बनाने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बुधवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि पार्टी की सदस्यता लेने में कर्नाटक सबसे आगे रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सेवा समर्थक पार्टी है, जिसने कोविड काल के दौरान लोगों को मदद पहुंचाई थी।

विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में सदस्यता अभियान शुरू करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना है, जिसे साकार करना है। उन्होंने कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि यह एक ऐसी पार्टी है, जो सत्ता के लिए सत्ता में है। सत्ता के बिना कांग्रेस पार्टी बिन पानी की मछली की तरह होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता के बिना जिंदा नहीं रह सकती। विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि भाजपा की महान विचारधारा है- देश पहले, पार्टी बाद में; संगठन सेवा करने के लिए है। देश के अन्य राजनीतिक दल कोविड के दिनों में घर बैठे थे, जबकि हमारी पार्टी ने लाखों लोगों की समस्याओं पर प्रतिक्रिया दी थी। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पूरे राज्य में न केवल भोजन किट दी थीं, बल्कि मुफ्त औषधियां भी वितरित की गई थीं।

उन्होंने कहा कि पिछली बार 1.04 करोड़ सदस्य पंजीकृत हुए थे। इस बार और भी ज्यादा सदस्य पंजीकृत होंगे। इसमें सभी जन प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि आइए, अगले 40-45 दिनों के लिए दो चरण के अभियान में भाग लें। विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि भाजपा सदस्यता अभियान पर्व के शुभारंभ पर उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव भी करीब है और प्रदेशवासियों को गौरी गणेश उत्सव की शुभकामनाएं देते हैं। इस अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी पहले ही कर चुके हैं।

'भाजपा देशभक्त पार्टी'

पार्टी के सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी ने उत्सव जैसे माहौल के लिए विजयेंद्र येडीयुरप्पा और टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सेवा और निष्ठा वाली राष्ट्रीय पार्टी है। उन्होंने कांग्रेस को परिवारवादी पार्टी बताकर उसकी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का मिशन 'पहले परिवार, बाद में देश' है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थापना एक विदेशी ने की थी, जबकि भाजपा भारतीयों द्वारा स्थापित पार्टी है। कांग्रेस सरकार महंगाई, गैर-जिम्मेदारी और घोटालों की सरकार है। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे और सिद्दरामय्या पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री के पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

'कांग्रेस एक परिवार की पार्टी'

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस सदस्यों के आधार पर नहीं चलती। उसके लिए राहुल गांधी, सोनिया गांधी महत्त्वपूर्ण हैं। एक बार राहुल गांधी बोर होकर इटली चले गए तो उस पार्टी का अस्तित्व ही नहीं रहेगा। उन्होंने कांग्रेस को 'नेताओं' की पार्टी, जबकि भाजपा को कार्यकर्ताओं की पार्टी बताया। उन्होंने पार्टी की सदस्यता का दायरा बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि भाजपा की जान कार्यकर्ताओं और सदस्यों में है।

'किसी भी सूरत में चुनाव का सामना'

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलुवादी नारायणस्वामी ने कहा कि राज्य में किसी भी सूरत में चुनाव का सामना करना पड़ सकता है, तो आइए, पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

उन्होंने कहा कि भाजपा जमीन से विकसित हुई पार्टी है। इसकी ताकत कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता समाज के कई स्तंभों के रूप में काम करते हैं। साल 1980 में हम ऐसी पार्टी थे, जिसे 17 वोट मिलने पर भी खुशी होती थी। अब भाजपा सबसे ज्यादा सदस्यों वाली पार्टी है। पहले, देश में 18 करोड़ और प्रदेश में 1.04 करोड़ सदस्य थे। अब हमारी ताकत बढ़ रही है।

इस मौके पर सांसद गोविंद करजोला, सांसद पीसी मोहन, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वत्थनारायण, विधान परिषद सदस्य सीटी रवि, राज्य प्रमुख सचिव सुनील कुमार, प्रीतम गौड़ा, विधायक गोपालैया, राममूर्ति, एसआर विश्वनाथ, मुनिरत्न, चैंबर्स समन्वयक दत्तात्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, कोर कमेटी के सदस्य, प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, पार्टी नेता मौजूद थे।

प्रदेश महासचिव एवं सदस्यता अभियान के संयोजक नंदीश रेड्डी ने सबका स्वागत किया। उन्होंने बताया कि एक ही दिन में 50.31 लाख से ज्यादा लोग सदस्य बने हैं। कर्नाटक में 5 लाख से ज्यादा सदस्य पंजीकृत हो चुके हैं।

अदालत के फैसले से पहले सम्मानपूर्वक इस्तीफा दे दें सिद्दरामय्या : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

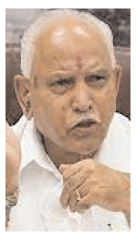

शिव्वमोग्गा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के भूखंड आवंटन मामले में अदालत का फैसला आने से पहले सम्मानपूर्वक इस्तीफा दे देना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि अदालत के फैसले के बाद सिद्दरामय्या के सामने इस्तीफे की स्थिति होगी। उन्होंने कहा, ''अदालत का फैसला आने पर सिद्दरामय्या के सामने शत प्रतिशत इस्तीफा देने की स्थिति होगी। मैं उन्हें सलाह देता हूं कि अदालत का फैसला आने से पहले सम्मानपूर्वक इस्तीफा दें। जिन भी घोटालों में उनका नाम है, वे साबित हो गए हैं और उनके बचने की कोई गुंजाइश नहीं है। देखते हैं कि क्या होता है।'' येडीयुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''और अधिक लड़ाई की जरूरत नहीं है, एक तरह से चीजें अंतिम रूप में पहुंच गई हैं और उनके लिए स्वाभाविक रूप से इस्तीफे की स्थिति पैदा होगी।'' कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मुडा मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर अंतरिम रोक सोमवार को नौ सितंबर तक बढ़ा दी। अदालत ने मामले में सिद्दरामय्या पर मुकदमे के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी की वैधता को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री की याचिका पर सुनवाई एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। राज्यपाल ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत प्रदीप कुमार एस पी, टी जे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा द्वारा उन्हें सौंपी गई याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के मामले में मुकदमे की मंजूरी प्रदान की। सिद्दरामय्या ने 19 अगस्त को उच्च न्यायालय में राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती दी थी। मंत्रिमंडल द्वारा बृहस्पतिवार को भाजपा के सत्ता में रहने के दौरान कोविड-19 प्रबंधन में कथित अनियमितताओं पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जॉन माइकल डी'कुन्हा की अध्यक्षता वाले जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्णय लेने की संभावना पर, येडीयुरप्पा ने कहा, इसका कोई मतलब नहीं है। वे कोई भी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। हम कानून के दायरे में इसका सामना करेंगे।

रेणुकास्वामी हत्याकांड में दर्शन और अन्य आरोपियों के खिलाफ 'पुख्ता' आरोपपत्र दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने बुधवार को रेणुकास्वामी हत्याकांड में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा समेत 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने यहां संवाददाताओं को बताया कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच करने के बाद पुख्ता' आरोपपत्र तैयार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपपत्र में 231 गवाहों के बयान तथा तकनीकी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य शामिल हैं। उसने यह भी कहा कि इस मामले में व्यापक स्तर पर जांच की गई थी। पुलिस ने 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में 3991 पन्नों का आरोपपत्र (सात खंडों और 10 फाइलों के साथ) दाखिल किया।

दयानंद ने कहा, ''हमने इस मामले में 17 लोगों को गिरफ्तार किया, जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। तीन प्रत्यक्ष चश्मदीद गवाह हैं; 27 गवाहों ने अदालत के समक्ष अपने बयान दिए हैं और अन्य गवाहों ने पुलिस के समक्ष अपने बयान दर्ज कराए हैं।''

उन्होंने कहा, हमने जांच से संबंधित कई सामग्री यहां एफएसएल (फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला) और सीएफएसएल (केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, हैदराबाद) को भेजी थी। हमें उनकी रिपोर्ट मिल गई है, लेकिन सीएफएसएल से कुछ रिपोर्ट अभी नहीं मिली हैं।

दयानंद ने बताया कि मामले में गवाहों में 56 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि चश्मदीद गवाहों, परिस्थितिजन्य, तकनीकी, वैज्ञानिक और जांचकर्ताओं द्वारा एकत्र अन्य साक्ष्यों के आधार पर 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया है। जुटाए गए साक्ष्यों को सीआरपीसी (दंड प्रक्रिया संहिता) की धारा 173 (8) के तहत अदालत में प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एजेंसी को जांच जारी रखने के लिए असीमित अधिकार देता है।

दर्शन तथा उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और मामले में 15 अन्य आरोपी राज्य की विभिन्न जेलों में बंद हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी ने पवित्रा गौड़ा को कथित आपत्तिजनक संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन आवेश में आ गये और कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। रेणुकास्वामी का शव नौ जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के निकट एक नाले के पास मिला था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि रेणुकास्वामी की हत्या के लिए आरोपी नंबर एक पवित्रा ''मुख्य वजह'' थी। उन्होंने दावा किया कि जांच से यह साबित हो गया है कि उसने अन्य आरोपियों को उकसाया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में शामिल हुई।

इस्पात आयात शुल्क बढ़ाकर 10-12 प्रतिशत करने के लिए वित्त मंत्रालय को मनाने का प्रयास करेंगे : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि वह वित्त मंत्रालय को इस्पात आयात पर शुल्क मौजूदा 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10-12 प्रतिशत करने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। मंत्री ने चीन द्वारा भारत में इस्पात की 'डंपिंग' के तरीके पर चिंता व्यक्त की और कहा कि पिछले दो महीनों में इस्पात उद्योग से जुड़े कई लोगों ने उनसे मुलाकात की और इस्पात उद्योग की वृद्धि में आ रही समस्याओं पर चर्चा की।

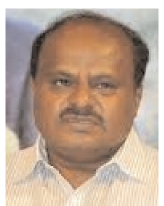

भारतीय इस्पात संघ द्वारा आयोजित पांचवें इस्पात सम्मेलन में उन्होंने कहा, ''चीन के कारण आपको जो समस्याएं पेश हो रही हैं, उसके लिए मैं वित्त मंत्रालय को समझाने की कोशिश करूंगा कि वह इस्पात आयात पर शुल्क को 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10-12 प्रतिशत करने पर विचार करे।'' मंत्री ने वैश्विक मांग में मंदी खासकर चीन में मांग में कमी के प्रभाव जैसी चुनौतियों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''इस्पात मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस्पात क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की यात्रा निर्बाध बनी रहे।''

कुमारस्वामी ने कहा कि भारतीय इस्पात उद्योग नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की कगार पर है। उन्होंने कहा, ''हमने पिछले तीन वर्षों में मांग में दो अंकों की वृद्धि देखी है और यह इस वर्ष भी जारी है। इस्पात मंत्रालय भारतीय इस्पात की वृद्धि गाथा के प्रति आश्वस्त है। हालांकि, मैं भविष्य में पेश होने वाली चुनौतियों को भी समझता हूं।''

अदालत ने वन्यजीव संरक्षण कानून संबंधी मामलों की सुनवाई जल्द पूरी किए जाने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामलों में शीघ्र सुनवाई की आवश्यकता पर बल देने के साथ ही अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने में होने वाली लंबी देरी पर चिंता व्यक्त की है।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने अब्दुल रहमान और अन्य की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की, जिन पर 2008 में बांदीपुर जंगल में एक चित्तीदार हिरण को मारने का आरोप है। सोलह साल बीत जाने के बावजूद, आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अभी भी जारी है। अदालत ने लंबी कार्यवाही की आलोचना करते हुए कहा, इतना लंबा समय क्यों? वन अपराध का निपटारा करने में आपको 16 साल क्यों लगते हैं? यह सही नहीं है कि आप 2008 में हिरण को मारने के लिए वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हैं और 2024 में भी इसकी सुनवाई जारी है। यह क्या है?

पीठ ने देरी के लिए आरोपियों द्वारा अदालत में पेश न होने को जिम्मेदार ठहराया, जिसके कारण बार-बार स्थगन हुआ। रहमान और उसके सह-आरोपियों ने कार्यवाही रद्द करने का अनुरोध किया था, जिसमें दलील दी गई थी कि वे दोहरे संकट का सामना कर रहे हैं, क्योंकि केरल में उनके खिलाफ मांस और बिना लाइसेंस के हथियारों के अवैध कब्जे से संबंधित एक अलग मामला दर्ज किया गया था।

अदालत ने इस दलील को खारिज कर दिया और कहा कि हिरण को कर्नाटक में मारा गया था, जहां वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू होता है। केरल में 35 किलोग्राम हिरण के मांस और हथियारों की जब्ती से जुड़ा मामला शस्त्र अधिनियम के तहत आता है। पीठ ने याचिकाकर्ताओं को कोई राहत देने से इनकार कर दिया और मुकदमे से बचने के उनके बार-बार प्रयासों का हवाला दिया और निचली अदालत को 12 सप्ताह के भीतर मामले को पूरा करने का आदेश दिया।

बेंगलूरु में बुधवार को एक बाजार में गणेश प्रतिमा देखते हुए श्रद्धालु।

गणेश चतुर्थी उत्सव : बेसकॉम ने आयोजकों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

अस्थायी बिजली कनेक्शन से पहले सुरक्षा उपायों का पालन जरूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेसकॉम ने गणेश चतुर्थी उत्सव के आयोजकों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्हें अस्थायी बिजली कनेक्शन लेने के लिए संबंधित उप-मंडल अधिकारियों से संपर्क करना होगा। बेसकॉम ने कहा, 'उप-मंडल अधिकारियों को स्थापित मानदंडों के अनुसार तत्काल बिजली कनेक्शन देने तथा स्थानीय प्राधिकरण अधिकारियों के साथ त्वरित समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।'

बेसकॉम के प्रबंध निदेशक महंतेश बिलागी ने कहा, 'त्योहार मनाते समय लोगों को सुरक्षा को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। गणेश उत्सव के लिए प्रकाश व्यवस्था में बेसकॉम सहायता करेगा। किसी भी विद्युत दुर्घटना को रोकने के लिए सार्वजनिक कार्यक्रमों में मूर्ति की स्थापना और विसर्जन के दौरान सुरक्षा उपायों का पालन करना जरूरी है।'

सुरक्षा के लिए करें ये उपाय

- गणेश उत्सव के लिए पंडाल, लाइट और अन्य सजावट करते समय बिजली के तारों के संबंध में सावधानी बरतें।
- सुनिश्चित करें कि सीरियल लाइटों के लिए तारों का पर्याप्त इन्सुलेशन किया गया हो। सीरियल लाइट लगाते समय बिजली के खंभों के संपर्क से बचें।
- बिजली के तारों, खंभों या ट्रांसफार्मर स्टेशनों पर शामियाना, टेंट या अन्य सामान न लगाएं। जुलूस के दौरान ऊपर से गुजर रहीं बिजली की लाइनों से सावधान रहें। लाइनों को उठाने की कोशिश न करें।
- जुलूस के मार्ग के बारे में उप-मंडल अधिकारियों को पहले सूचित करें, ताकि वे जरूरी सहायता उपलब्ध करा सकें। यदि बिजली के तारों में कोई चिंगारी या अन्य समस्या दिखाई दे तो हेल्पलाइन नं. 1912 पर कॉल करके सूचना दें। उन 'खतरनाक क्षेत्रों' को चिह्नित करें, जहां पंडाल स्थापना के लिए विद्युत उपकरण स्थापित किए जाते हैं।

ऐसे मिलेगा अस्थायी बिजली कनेक्शन

गणेश पंडाल के लिए अस्थायी बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन करते समय बीबीएमपी, बीडीए, ग्राम पंचायत और स्थानीय पुलिस स्टेशन सहित सभी संबंधित अधिकारियों से अनापत्ति पत्र लेना होगा। अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद सहायक कार्यकारी अभियंता या सहायक अभियंता निरीक्षण करने के लिए गणेश प्रतिमा स्थापना स्थल का दौरा करेंगे। इसके बाद ही वे आयोजकों को अनुमति देंगे। एक बार जब पंजीकृत विद्युत ठेकेदार से वायरिंग पूर्णता रिपोर्ट प्राप्त कर लेते हैं, जो वायरिंग की सुरक्षा, एमसीबी (लघु सर्किट ब्रेकर) की स्थापना और ईआईए (अर्थिंग निरीक्षण और अनुमोदन) की पुष्टि करती है तो संबंधित अधिकारी आयोजकों को कनेक्शन देने के लिए प्रतिमा स्थापना स्थल का दौरा करेंगे। अस्थायी बिजली कनेक्शन के बाद मीटर को वापस कर देना चाहिए। निर्दिष्ट अवधि समाप्त होने पर अंतिम रीडिंग दर्ज की जानी चाहिए।

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की पदोन्नति और सेवा मांगों पर एक महीने में होगा उचित फैसला : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा है कि प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की पदोन्नति और अन्य सेवा मांगों के संबंध में एक महीने के भीतर उचित फैसला लिया जाएगा।

उन्होंने बुधवार को कृष्णा में कर्नाटक राज्य प्राथमिक विद्यालय शिक्षक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ उनकी मांगों को लेकर बैठक की।

उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री और अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद कानूनी जटिलताओं और अन्य मुद्दों पर फैसला लिया जाएगा और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की मांगों पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिनिधि मंडल के प्रतिनिधियों ने कहा था कि साल 2017 में संवर्ग एवं भर्ती नियम में संशोधन के बाद सेवा नियम को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू नहीं किया जाना चाहिए, प्राथमिक विद्यालय के 40 हजार से अधिक स्नातक शिक्षकों को स्नातक शिक्षक मानने का आदेश जारी किया जाए। भर्ती सातवीं कक्षा तक होने की बात कही गई थी, लेकिन अब इसे 5वीं कक्षा तक कर दिया गया है।

इससे पहले हेडमास्टर के पदों पर पदोन्नति संबंधित जिला नियुक्ति समिति के स्तर से दी जाती थी। पिछले तीन साल से यह बंद है और इसे जारी रखा जाना चाहिए। प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षकों की पदोन्नति में 50 प्रतिशत पद निर्धारित किए जाएं।

शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि पदोन्नति में सेवा की वरिष्ठता को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस मौके पर शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदा राजू, नसीर अहमद, विधान परिषद सदस्य पुत्तन्ना, साहिति बारागुरु रामचंद्रप्पा, निरंजनराध्या, विभागीय आपूर्ति सचिव रितेश कुमार सिंह और अन्य मौजूद थे।

टीबीएम 'तुंगा' को नागवारा स्टेशन के कट और कवर शाफ्ट में सफलता मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नम्मा मेट्रो की सेवा में लगी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) तुंगा ने कडुगोंडानाहल्ली स्टेशन से नागवारा स्टेशन के साउथ कट और कवर शाफ्ट के बीच 936.6 मीटर की सुरंग बनाने के बाद 4 सितम्बर को एक सफलता हासिल की है। तुंगा ने 3 फरवरी को सुरंग बनाना शुरू किया था। इस सफलता के साथ, कुल 20992 मीटर सुरंग में से 20582.7 मीटर यानी 98 प्रतिशत का कार्य पूरा हो चुका है। सुरंग बनाने के लिए तैनात 9 टीबीएम में से अब तक 8 टीबीएम ने सुरंग बनाने का काम पूरा कर लिया है। एक टीबीएम शीघ्र ही अपना कार्य पूरा करेगी।

एन एफ एल NFL नवरत्न कंपनी

नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
आंचलिक विपणन कार्यालय-हैदराबाद.-#3-6-666, बरवाले चेम्बर्स, स्ट्रीट नंबर 10, हिमायत नगर, हैदराबाद-500029

निविदा आमंत्रण सूचना

संदर्भ संख्याः एनएफएल/जेडओ/एचवाईडी/एबीडी/पीडीएमटीपीटी/2024-25/1-3 दिनांकः 05.09.2024

एनएफएल बागलकोट, कुड्डालोर और शिवगंगाई में स्थित ईआईडी पैरी (इंडिया) लिमिटेड से कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न गंतव्यों तक पीडीएम के परिवहन के लिए परिवहन ठेकेदार की नियुक्ति के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करता है। प्रत्येक इकाई के लिए निविदा विवरण वेबसाइट www.nationalfertilizers.com (होमपेज) और या https://gem.gov.in से देखा और डाउनलोड किया जा सकता है:-

राज्य	पीडीएम यूनिट	अंतिम तिथि
कर्नाटक	बागलकोट	25.09.2024 (15:00 बजे)
तमिलनाडु	कुड्डालोर और शिवगंगाई	25.09.2024 (15:00 बजे)

शुद्धिपत्र/परिशिष्ट यदि कोई हो तो उसे केवल एनएफएल की वेबसाइट और GEM पोर्टल पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

एनएफएल किसी भी या सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

आंचलिक प्रबंधक (विपणन)

बारिश से उदयपुर-जोधपुर में हालत बिगड़े, रेलवे ट्रैक बहा, नेशनल हाईवे बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर से तेज बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में स्थिति बिगड़ गई है। जोधपुर और उदयपुर में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। चामुंडा नदी के उफान पर होने के कारण जोधपुर में स्थिति गंभीर हो गई है, और जोधपुर-जैसलमेर रेलवे ट्रैक के नीचे से मिट्टी बह जाने से ट्रैक को नुकसान पहुंचा है। इस कारण से दो ट्रेनें बुधवार सुबह से कैंसिल कर दी गई हैं और एक ट्रेन को रास्ते में ही रोक दिया गया है। जोधपुर शहर में पानी की स्थिति नदियों जैसी हो गई है, जिससे यातायात और सामान्य जीवन पर असर पड़ा है।

उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर भी भारी बारिश के कारण बुधवार सुबह 7 बजे लंबा जाम लग गया। पानी भरने से वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतार लग गई, जिसे दोपहर 1 बजे के आसपास साफ किया गया। लगातार हो रही बारिश के कारण बांसवाड़ा, डूंगरपुर, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, और उदयपुर में बड़े डैम के गेट खोलने पड़े हैं।

पाली के सोजत में सुकड़ी नदी में अचानक पानी का बहाव बढ़ने के कारण एक बाइक सवार बुआ-भतीजा रपट पर बह गए। श्मशान घाट में दाह संस्कार के लिए आए लोगों ने तौलियों की रस्सी बना कर 20 मिनट की कड़ी मेहनत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। फिलहाल, बागड़ी और सोजत रोड के बीच का रास्ता बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया है। जोधपुर के तिंवरी ट्रैक पर मिट्टी और कंक्रीट बह जाने के कारण सुबह 7 बजे से ट्रैक पर ट्रेनें बंद हैं। रानीखेत एक्सप्रेस को ओसियां में रोका गया है और जैसलमेर-काठगोदाम एक्सप्रेस के रूट में बदलाव कर दिया गया है। यह ट्रेन अब फलोदी, बीकानेर, रतनगढ़, और चूरू होते हुए काठगोदाम जाएगी। साबरमती एक्सप्रेस और रूणिचा स्पेशल ट्रेनें भी प्रभावित हुई हैं। टोंक में भी चाकल नदी के उफान पर होने से एक युवक बाइक सहित नदी की रपट पर फंस गया। युवक को करीब 11 घंटे बाद बुधवार सुबह निकाला गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 7 सितंबर तक राज्य के 31 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है, और मानसून के एक्टिव रहने की संभावना जताई है। उदयपुर में स्वरूपसागर और उदयसागर डैम के गेट खोलने के साथ ही बांसवाड़ा में माही बजाज डैम भी भर गया है।

धौलपुर के पार्वत डैम और चित्तौड़गढ़ के गंभीरी डैम के गेट भी खोले गए हैं। टोंक और बूंदी सहित कई जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे राहत कार्यों में कठिनाइयाँ आ रही हैं।

सिक्किम के राज्यपाल माथुर ने अपनी कार्यशैली से भाजपा कार्यकर्ताओं पर अमिट छाप छोड़ी है : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने अपनी कार्यशैली से भाजपा कार्यकर्ताओं में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि माथुर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक-एक कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने और काम देकर राजनीति में मजबूत करने का काम किया है। शर्माने ने राजस्थान के वरिष्ठ नेता माथुर को सम्मानित करते हुए कहा, माथुर ने जीवन भर संस्कृति और विचारधारा के लिए काम किया है, कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए उन्होंने ऊंचाइयों को छुआ है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि माथुर ने छोटे से गांव में जन्म लिया और निरंतर परिश्रम करते हुए दृढ़ता के साथ एक अनुशासित सिपाही की तरह काम किया। उन्होंने कहा कि माथुर ने अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी सहित कई वरिष्ठ नेताओं के साथ काम किया है। उन्होंने कहा, आज वे देश के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी माथुर की प्रशंसा की और कहा कि ओमप्रकाश माथुर प्रदेश के कार्यकर्ताओं से जुड़े हुए नेता हैं। उन्होंने पैर जमीन पर रखते हुए सदैव अपने साथ कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति से संपर्क रखा है। राजे ने कहा, ओम माथुर चाहे कितने भी ऊंचे स्थान पर क्यों न पहुंच जाएं, वे हमेशा जमीन से जुड़े रहते हैं, यही वजह है कि उनकी इतनी प्रशंसा की जाती है।

राजे ने माथुर को राज्यपाल नियुक्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष के दावों के बावजूद, राज्यपाल केवल रबर स्टैंप नहीं बल्कि एक प्रभावशाली व्यक्ति होता है। उन्होंने माथुर की तुलना मखमली दस्ताने में लोहे की मुट्ठी से की।

माथुर ने कार्यक्रम में अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए और सिक्किम के राज्यपाल के रूप में अपने काम के बारे में बताया। राज्यपाल बनने के बाद राजस्थान की पहली यात्रा पर जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

पीतल की लौंग मिलने पर खुद को सर्राफ समझने लगते हैं कुछ लोग: राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मंगलवार को बिना किसी का नाम लिए कटाक्ष किया कि कुछ लोग पीतल की लौंग मिलने पर भी खुद को सर्राफ समझने लगते हैं। राजे ने कहा,चाहत बेशक आसमां छूने की रखो,लेकिन पांव हमेशा जमीं पर रखो। राजे यहां बिड़ला सभागार में सिक्किम के नवनियुक्त राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर के नागरिक अभिनन्दन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। माथुर की प्रशंसा करते हुए राजे ने कहा, ओम माथुर चाहे कितनी ही बुलंदियों पर पहुंचें, इनके पैर सदा जमीन पर रहें हैं। इसीलिए इनके चाहने वाले भी असंख्य हैं। वरना कई लोगों को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है,वह अपने आप को सर्राफ समझ बैठते हैं।

उन्होंने कहा कि माथुर से ऐसे लोगों को सीख लेना चाहिये कि चाहत बेशक आसमां छूने की रखो,पर पांव हमेशा जमीं पर रखो। पूर्व मुख्यमंत्री ने माथुर को सिक्किम का राज्यपाल बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मौजूद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने माथुर के साथ बिताए यादगार पलों को साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिक्किम के राज्यपाल के रूप में माथुर अपने संवैधानिक दायित्वों का बखूबी निर्वहन करते हुए जनसेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी भी मौजूद थे।

‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2024

स्विस कंपनियों ने रेल विद्युतीकरण, फार्मा क्षेत्र में सहयोग में रुचि दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने हाल ही में स्विटजरलैंड का दौरा कर स्विस कंपनियों को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। 26 से 28 अगस्त के बीच हुई तीन दिवसीय यात्रा में राठौड़ की कई स्विस कंपनियों के साथ उपयोगी चर्चा हुई, जिनमें कुछ इलेक्ट्रोमोबिलिटी और बायोफार्मा कंपनियां भी शामिल थीं। इन बैठकों के दौरान Furrer+Frey और ड्लहुळहरस जैसी रेल विद्युतीकरण और मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़ी कंपनियों ने राजस्थान में रेल लाइन के आसपास वाले इलाकों में कम-से-कम 20 एकड़ जमीन की मांग भी रखी, ताकि वो प्रदेश में निवेश करने पर विचार कर सकें।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि कई स्विस कंपनियां राजस्थान को निवेश के दृष्टिकोण से सबसे अच्छे राज्यों में से एक मानती हैं। राजस्थान कम-से-कम लागत पर व्यापार को सुगम बनाना चाहता है और भूमि तथा अन्य बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है, ताकि व्यापार करने की सुगमता और बढ़े। राजस्थान में निवेश करने का यह बिलकुल सही समय है।

सरकार के पास कोई भी निवेश संबंधित निर्णय या फाइल लंबित नहीं रहेगी और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उद्योग जगत अपने कारोबार को यथासंभव तेज गति से विस्तारित कर सकें।

राठौड़ की यात्रा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि भारत ने इस साल मार्च में यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों, जिसका स्विट्जरलैंड एक प्रमुख स्तंभ है, के साथ ट्रेड एंड इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। अपनी यात्रा के दौरान कर्नल राठौड़ ने रेल विद्युतीकरण और मैन्यूफैक्चरिंग, बायोफार्मा, कृषि प्रसंस्करण, माल परिवहन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित कई अन्य कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात की। यात्रा के दौरान उन्होंने मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में दवाइयां बनाने वाली फार्मा कंपनी फेरिंग फार्मास्युटिकल्स की एक इकाई का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय महिलाओं तक महत्वपूर्ण दवाओं की पहुंच पर भी चर्चा की और कंपनी को राजस्थान में अपनी यूनिट लगाने के लिए आमंत्रित किया।

कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मीटिंग के दौरान स्विस कंपनियों ने निवेश योजनाओं को सुविधाजनक बनाने हेतु प्रोडक्ट स्पेसिफिक डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल ज़ोन्स और सिंगल पॉइंट ऑफ़ कांटेक्ट (पीओसी) के रूप में विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की मांग की। सरकार इन मांगों को पूरा करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है।

भारत ने इस वर्ष मार्च में ईएफटीए देशों के साथ ट्रेड एंड इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किया है। टीईपीए पर हस्ताक्षर करने के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि एफटीए के इतिहास में पहली बार अगले 15 वर्षों में 100 बिलियन डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की बाध्यकारी प्रतिबद्धता का उल्लेख इस समझौते में किया गया है।

कर्नल राठौड़ की स्विट्जरलैंड यात्रा को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए, क्योंकि भारत में 100 बिलियन डॉलर के निवेश की ईएफटीए की बाध्यकारी प्रतिबद्धता के मद्देनजर, यह यात्रा न केवल राजस्थान में बल्कि भारत के कई राज्यों में स्विस कंपनियों द्वारा आगामी निवेश के लिए खाका तैयार करने की क्षमता रखती है।

गौरतलब है कि ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2024 9, 10 और 11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार इसकी जोर-शोर से तैयारी कर रही है। इसके मद्देनजर, पिछले महीने आयोजित मुंबई इन्वेस्टर्स मीट में कई कंपनियों राजस्थान सरकार के साथ 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर किया था।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर होंगे जनस्वास्थ्य की प्रमुख धुरी : शुभ्रा सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आयुष्मान भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर इस दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि गांव-ढाणी तक प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने में आयुष्मान आरोग्य मंदिर जनस्वास्थ्य की प्रमुख धुरी के रूप में काम करेंगे।

श्रीमती सिंह बुधवार को जोधपुर में आयोजित राष्टीय स्वास्थ्य मिशन की चतुर्थ रीजनल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थी। सात राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लिए इस कांफ्रेंस की मेजबानी एनएचएम, राजस्थान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक कॉम्प्रीहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर, क्वालिटी एण्ड पेशेंट सेफ्टी, इण्डियन पब्लिक हैल्थ स्टैण्डर्ड, कम्यूनिटी प्रोसेसेज, मानव संसाधन, निःशुल्क दवा आपूर्ति एवं स्वास्थ्य के आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कदम उठा रही है। इस वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 8.26 प्रतिशत बजट आवंटन किया गया है, जो अब तक का सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि एनएचएम स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा एक महत्वाकांक्षी फ्लैगशिप कार्यकम है। इससे देशभर में निचले स्तर तक चिकित्सा तंत्र मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि आईएचएमएस एवं आभा आईडी जैसे तकनीकी कार्यक्रम स्वास्थ्य के क्षेत्र में गेम चेंजर साबित होंगे। श्रीमती सिंह ने एनएचएम की शुरूआत के समय के अपने अनुभवों को भी साझा किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक एनएचएम श्रीमती आराधना पटनायक ने कहा कि आगामी दो वर्षों में देशभर में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 1 लाख 73 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को क्रियाशील किया जाएगा। यहां 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

इसके लिए सीएचओ एवं अन्य स्वास्थ्य कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत गांव-ढाणी तक चिकित्सा के आधारभूत ढांचे को चरणबद्ध रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

अतिरिक्त सचिव ने कहा कि ग्रामीण स्तर तक आमजन को बेहतर सेवाएं देने के लिए हमें हैल्थ फैसेलिटी की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही, दवाओं के आपूर्ति तंत्र को भी और सुगम बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर संपादित होने वाली गतिविधियों को और सरल करने के लिए विभिन्न पोर्टल्स को इंटीग्रेटेड रूप में संचालित किया जाएगा। उन्होंने राज्यों से अपेक्षा की कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का निचले स्तर तक पूरा लाभ पहुंचाने के लिए हर स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा की जाए।

खेत की बाड़ में करंट आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में बुधवार सुबह खेत की बाड़ में करंट आने से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। कुचेरा के थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि घटना ईग्यार गांव की है और मरने वाले तीन लोग एक ही परिवार के हैं। उन्होंने बताया कि खेत मालिक ने पशुओं को रोकने के लिए इस लोहे की बाड़ को बिजली के तार से जोड़ रखा था तथा बाइक सवार तीनों लोग इसकी चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान हरेंद्र मेघवाल (32), उसकी पत्नी सीमा (25) मेघवाल और मां कंवराई (50) के तौर पर हुई है।

उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये कुचेरा के सरकारी अस्पताल भेजा गया है। मुआवजे और बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही की जांच की मांग को लेकर स्थानीय ग्रामीण और परिजन अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर धरने पर बैठ गए। थानाधिकारी ने बताया कि प्रशासन और पुलिस के अधिकारी परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे है।

वहीं, नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है। बेनीवाल ने ’एक्स’ पर लिखा, ‘राज्य सरकार मृतकों के आश्रितों को अविलंब आर्थिक सहायता प्रदान करें। मैंने डिस्कॉम (बिजली वितरण कंपनी) के अधिकारियों को हादसे की जांच करने के लिए भी निर्देशित किया।

पशु परिचरों की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशु परिचरों की भर्ती के लिए पशुपालन और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने पाठ्यक्रम को अपनी मंजूरी प्रदान कर भर्ती प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज सहित पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ इस संबंध में बैठक की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित इस भर्ती प्रक्रिया के कारण पशुपालकों को परेशानी का सामना करना पड रहा है साथ ही पशु चिकित्सा उपकेंद्रों पर भी मानव श्रम की कमी से पशुओं की चिकित्सा में मुश्किल आती है। पशु परिचरों की भर्ती से पशुपालक लाभान्वित होंगे तथा क्षेत्रवासियों को सुविधा मिल सकेगी।

उल्लेखनीय है कि पशु परिचर के लगभग 6000 पदों के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब इसकी प्रवेश परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम निर्धारण होना था जिसे आज पशुपालन मंत्री ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी। बैठक में विकास सीताराम भाले प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन विभाग, डॉ भवानी सिंह राठौड़ निदेशक, पशुपालन विभाग, डॉ आनंद सेजरा मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड, श्रीमती शालिनी शर्मा निदेशक, गोपालन विभाग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रिश्वत लेते हुए पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने जयपुर में एक पुलिस कांस्टेबल को कथित तौर पर पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़कर गिरफ्तारकर लिया। ब्यूरो के बयान के अनुसार, मुहाना थाने के कांस्टेबल वीपी सिंह को मंगलवार देर रात शिकायतकर्ता से रिश्वत राशि लेते पकड़ा गया। शिकायतकर्ता के अनुसार उसके खिलाफ दर्ज मामले में समझौता कराने और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने की एवज में आरोपी कांस्टेबल वीपी सिंह पांच हजार रुपये रिश्वत के तौर पर मांग कर उसे परेशान कर रहा था। शिकायत का सत्यापन कर मंगलवार देर रात कार्रवाई करते हुए आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया गया।

राष्ट्र के भविष्य के पथ प्रदर्शक बने शिक्षक : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिक्षक दिवस पर प्रदेश के शिक्षकों का आह्वान किया है कि वे तनाव मुक्त, नशा मुक्त और नारी के प्रति सम्मान के संस्कारों को सिखाने के साथ युवा पीढी को आदर्श जीवन जीने की राह दिखाने वाले पथ प्रदर्शक बनें। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में युवाओं में श्रेष्ठ नागरिक के गुणों के भाव बचपन से ही पैदा करने होंगे, ताकि युवा पीढी अच्छे-बुरे और सही-गलत का अर्थ समझ सके और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार हो सके।

स्पीकर देवनानी ने शिक्षक दिवस पर प्रदेश के शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि शिक्षा मानव जीवन के लिए आवश्यक है और विकास का मूल आधार भी शिक्षा है। ऐसी स्थिति में शिक्षकों का दायित्व राष्ट्र के प्रति और अधिक बढ जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस शिक्षक, विद्यार्थियों और सम्पूर्ण समाज के लिए महत्वपूर्ण है। यह दिवस प्रत्येक व्यक्ति द्वारा शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का भी दिवस है। देवनानी ने शिक्षकों से अनुरोध किया कि वे देश के भविष्य युवा पीढी के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण कर उनके पथ प्रदर्शक बनें। विद्यार्थियों के उचित मार्ग दर्शन से ही उनका भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सकता है। भारतीय संस्कृति में शिक्षक और शिक्षक दिवस का विशेष महत्व है। हमारी संस्कृति में गुरुजन को हमेशा से भगवान और माता-पिता के तुल्य स्थान दिया जाता है। भारत की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिये युवाओं में राष्ट्र प्रथम की भावना का विकास करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के लोगों की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल रहे हैं : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर मणिपुर के लोगों की सुरक्षा करने में ''पूरी तरह विफल'' रहने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में अशांति भारत के लोगों के साथ उनके ''विश्वासघात'' की लंबी सूची में एक और कड़ी है।

खरगे ने आरोप लगाया कि मणिपुर में हिंसा को 16 महीने हो गए हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' सरकार ने समस्या का समाधान करने के लिए कुछ नहीं किया। यहां 'डबल इंजन' से आशय केंद्र और राज्य, दोनों में भाजपा की सरकार से है। उन्होंने दावा किया कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है जिससे सभी समुदायों के लोगों में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए विश्वास पैदा हो सके। खरगे ने कहा, ''आपने मणिपुर के मुख्यमंत्री (एन बीरेन सिंह) को अब तक बर्खास्त क्यों नहीं किया? क्या वह राज्य तंत्र को लगभग पंगु बनाने और घृणित बयान देने के लिए दोषी नहीं हैं, जो अब सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है? अवांछनीय परिस्थिति से बचने के लिए बड़ी बेशर्मी के साथ इस्तीफा देने का नाटक किया गया।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मोदी जी, आप इतने निर्दयी क्यों हो गए हैं? आपने राज्य में जाने की जहमत क्यों नहीं उठाई? आपके अहंकार के कारण ही सभी समुदायों के लोग पीड़ित हैं। आपकी सरकार की अक्षमता और बेशर्मी के कारण बुनियादी शांति प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पाई है।'' उन्होंने कहा कि इंफाल पश्चिम जिले में ड्रोन हमलों के जरिए बमबारी की गई है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ''सोए हुए प्रतीत होते हैं''।

माफियाओं के आगे नाक रगड़ने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर परोक्षा रूप से निशाना साधते हुए कहा कि माफियाओं और दंगाइयों के सामने 'नाक रगड़न वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे।

यहां फूलपुर के इफको परिसर में आयोजित रोजगार मेले में मुख्यमंत्री ने कहा, ये जो बड़ी बड़ी घोषणाएं कर रहे हैं, ये वही लोग हैं जो कभी माफियाओं और दंगाइयों के आगे नाक रगड़ा करते थे। अरे बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत चाहिए। ये दंगाइयों और माफियाओं के सामने नाक रगड़ने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, जाति के नाम पर लड़ाने वाले ये वही लोग हैं जो टीपू और सुल्तान बनने का ख्वाब फिर से देख रहे हैं। ये वही टीपू थे जिन्होंने माफिया के सामने नाक रगड़कर उत्तर प्रदेश की पहचान का संकट खड़ा किया। आदित्यनाथ ने प्रयागराज में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से विधायक रहे राजू पाल की हत्या का जिक्र करते हुए कहा, इन्होंने माफियाओं को गले का हार बनाकर प्रदेश और प्रयागराज वासियों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। इन्हीं माफियाओं ने विधायक राजू पाल की हत्या की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजू पाल की हत्या के समय इन्हें 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक) याद नहीं आया था क्योंकि इन्हें अपनी कुर्सी की चिंता थी, लेकिन हमने कहा था कि माफिया अगर सिर उठाने का दुस्साहस करेगा तो हम उसे मिट्टी में मिला देंगे। 'पीडीए' सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का नारा है। आदित्यनाथ ने जनता से अपील की कि वे ऐसी गलती ना करें जिससे उत्तर प्रदेश के लिए फिर पहचान का संकट खड़ा हो। प्रदेश की जिन 10 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें प्रयागराज की फूलपुर सीट भी शामिल है। इस सीट से भाजपा के विधायक रहे प्रवीण पटेल लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हो गए हैं, जिससे यह सीट खाली हुई है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाकर चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय और बैंकशाल न्यायालय के विभिन्न वकीलों ने बुधवार को यहां मानव श्रृंखला बनाकर युवा चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की, जिसकी पिछले महीने सरकार आर. जी. कर अस्पताल में कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। उन्होंने अदालत की इमारत के बाहर तख्तियां हाथों में लिए नारेबाजी की। बैंकशाल न्यायालय के वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाकर रैली में भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि नौ अगस्त को शहर के सरकारी आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार कक्ष में युवा चिकित्सक का शव मिला था। इस घटना से देश भर में आक्रोश फैला हुआ है। प्रशिक्षु चिकित्सक का शव मिलने के तुरंत बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को भी गिरफ्तार किया है।

पटनायक ने ओडिशा की महिलाओं से भाजपा के 'झूठ' को सामने लाने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा की महिलाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे भाजपा के 'झूठ' को सबके सामने लेकर आएं। पटनायक ने बल दिया कि उनकी पार्टी महिलाओं महत्वपूर्ण भूमिका देने और पार्टी में महिला सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पटनायक ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय शंख भवन में बीजू महिला जनता दल (बीएमजेडी) की बैठक के समापन सत्र के दौरान ये टिप्पणियां कीं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''झूठ भाजपा की सबसे बड़ी पहचान है।'' पटनायक ने कहा कि भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में दो साल के भीतर सुभद्रा योजना के तहत राज्य की प्रत्येक महिला को 50,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की थी, लेकिन अब सरकार ने इसे पांच साल में देने की बात कही है। उन्होंने कहा, ''वह भी महिलाओं को हर छह माह में 5,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा के चुनाव पूर्व उस वादे का भी जिक्र किया जिसमें उसने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, ''चुनाव के दौरान भाजपा नेता ओडिशा आए और बड़ी-बड़ी घोषणाएं कीं, लेकिन वास्तव में लोगों को कुछ नहीं मिला। भाजपा को महिलाओं और जनता के भरोसे को तोड़ना नहीं चाहिए।

मणिपुर के जिरीबाम जिले में आगजनी, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के मकान में आग लगायी

इंफाल/भाषा। मणिपुर के जिरीबाम जिले में बुधवार सुबह फिर से आगजनी की घटना हुई जब संदिग्ध 'आदिवासी ग्राम स्वयंसेवकों' ने एक मकान में आग लगा दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि जिले के जाकुरधोर में तीन कमरों वाला मकान एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी का था। पुलिस ने बताया कि जिले में पिछली हिंसा के बाद परिवार ने यह मकान खाली कर दिया था।

पुलिस ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए तड़के करीब साढ़े तीन बजे मकान पर हमला किया और उसे जला दिया। यह मकान जिरीबाम जिला मुख्यालय से 28 किलोमीटर दूर और हमार बहुल फेरजावल जिले के पास स्थित है।

असम के कछार जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के केंद्र में एक अगस्त को आयोजित बैठक के दौरान सामान्य स्थिति बहाल करने और आगे की आगजनी को रोकने के लिए मेइती और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच समझौता होने के बावजूद यह घटना हुई है। जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ अधिकारियों की मध्यस्थता से हुई इस बैठक में हमार, मेइती, थाडौ, पैते और मिजो समुदायों के प्रतिनिधि शामिल थे।

पश्चिम बंगाल: कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले में भाजपा और कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के एक अस्पताल में पिछले महीने एक महिला चिकित्सक से कथित बलात्कार और हत्या से संबंधित मामले में बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार के कार्यालयों के घेराव के दौरान पांसकुड़ा और ओंडा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हुई। वहीं, कांग्रेस ने भी इस मामले पर विरोध प्रदर्शन करते हुए जांच में तेजी लाने की मांग की।

ऐसी घटनाओं को रोकने में विफलता के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए, भाजपा कार्यकर्ताओं ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पांसकुड़ा और बांकुड़ा जिले के ओंडा में नारेबाजी की और टायर जलाए। एक अधिकारी ने बताया कि पांसकुड़ा व ओंडा में जिला प्रशासन कार्यालयों के घेराव के दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस कर्मियों के बीच झड़प हो गई, लेकिन स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकारी तंत्र असली दोषियों को बचा रहा है और जांच से ध्यान भटका रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने दक्षिण दिनाजपुर के बालुरघाट में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के घेराव का नेतृत्व किया और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई। इस बीच, भाजपा समर्थकों ने स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के लिए न्याय की मांग करते हुए तख्तियां लेकर मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड चौराहे पर धरना जारी रखा।

पंजाब की महिला से बलात्कार और धर्मांतरण की कोशिश का आरोपी गिरफ्तार

बदायूं (उप्र)/भाषा। बदयूं पुलिस ने 29 वर्षीय शख्स को पंजाब की एक महिला से बलात्कार करने और अपनी पहचान छुपाकर उसका धर्मांतरण कराने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, 26 वर्षीय महिला पंजाब के फरीदकोट की रहने वाली है और चंडीगढ़ के एक कॉल सेंटर में काम करती है। उसने बिसौली कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसका बलात्कार किया गया और उसका धर्मांतरण कराने की कोशिश की गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि 29 वर्षीय व्यक्ति को बलात्कार और धर्म परिवर्तन विरोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी असली पहचान छुपाकर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने बताया कि आरोपी की मां और पिता को भी शिकायतकर्ता को धर्म बदलने के लिए मजबूर करने के प्रयास में सहायता करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार को दर्ज कराई गई शिकायत में दावा किया गया है कि आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसा कर उसके साथ बलात्कार किया और उसका धर्मांतरण कराने की कोशिश की। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, महिला ने दावा किया कि उनके रिश्ते से उनकी बेटी है, लेकिन आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया और आखिरकार उसे पता चला कि वह हिंदू नहीं बल्कि मुस्लिम है।

प्रशासनिक भवन की पांचवीं मंजिल से गिरकर आईआईटी-भुवनेश्वर की छात्रा की मौत

भुवनेश्वर/भाषा। आईआईटी भुवनेश्वर में अध्ययनरत एक छात्रा की प्रशासनिक भवन की पांचवीं मंजिल से कथित तौर पर गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने मंगलवार रात 23 वर्षीय युवती का शव संस्थान परिसर से बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''हमें संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला है।'' मृतका की पहचान दिल्ली निवासी कृतिका राज के रूप में हुई है और वह बी.टेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी।

संस्थान ने एक बयान में कहा कि कल रात लगभग 11 बजे एक छात्रा प्रशासनिक भवन की पांचवीं मंजिल से नीचे गिर गई, वहां पुस्तकालय है। बयान में कहा गया है, ''सुरक्षाकर्मियों ने प्रशासन को सूचित किया और उसे संस्थान के चिकित्सा केंद्र में ले गए। चिकित्सकों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को तुरंत सूचित किया गया और मामले की जांच की जा रही है।''

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए खुर्दा जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस दल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। संस्थान के सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने छात्रा के परिवार वालों को सूचित कर दिया है। उन्होंने बताया कि छात्रा 10 दिन पहले अपने घर आई थी और वापस आने के बाद से वह काफी गुमसुम थी।

कोविड-19 के दौरान लगाये गये 'दोषपूर्ण' टीके के चलते अब भी लोगों की मौत हो रही है : हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को आरोप लगाया कि महामारी के दौरान लगाए गए 'दोषपूर्ण' कोविड-19 टीके की खुराक के कारण लोग अब भी मर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वैसे तो एक विशेष टीके को वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित कर दिया गया था, फिर भी भारत में उसकी आपूर्ति की जा रही थी और जनता को दिया जा रहा था।

सोरेन की टिप्पणी हाल में राज्य में आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान में शारीरिक परीक्षण के दौरान 12 लोगों की हुई मौतों के बाद आई है। सोमवार को सरकार ने इस मौजूदा नौकरी अभियान को तीन दिनों के लिए रोक दिया था।

सोरेन ने कहा, ''दुर्भाग्य से, भर्ती अभियान के दौरान कुछ उम्मीदवारों की मौत हो गई। मौतें केवल दौड़ने से नहीं हो रही हैं, लोग चलते समय भी मर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भाजपा सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान इस देश के लोगों को दिये गये टीके की खुराक दोषपूर्ण थी और इसका वैश्विक प्रभाव पड़ा है।''

इससे पहले, प्रदेश भाजपा ने अभ्यर्थियों की मौत के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के 'कुप्रबंधन' को जिम्मेदार ठहराया था।

एक सरकारी कार्यक्रम में हेमंत सोरेन ने 'झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना' के तहत महिला लाभार्थियों के खातों में 1,000 रुपये की पहली किस्त भेजी।

छह जिलों में 7.04 लाख लाभार्थियों को कुल 70.50 करोड़ रुपये वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उसपर उनकी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का नाम लिए बगैर उनपर सांप्रदायिक तनाव फैलाने का आरोप लगाया।

बिहार: सारण में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान टीन शेड गिरने से 12 लोग घायल

छपरा/भाषा। बिहार में सारण जिले के इसुआपुर थाना क्षेत्र में महावीरी झंडा मेले में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान टीन शेड के अचानक गिरने से एक दर्जन लोग घायल हो गए।

सारण पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इसुआपुर थाना अंतर्गत मंगलवार को लाल बाबा मठिया के पास टीन के शेड पर चढ़कर कुछ लोग सांस्कृतिक कार्यक्रम देख रहे थे, तभी अधिक भार होने के कारण टीन शेड एक तरफ से मुड़ गया जिससे उसपर चढ़े व्यक्ति नीचे गिर गए। बयान के मुताबिक, घटना में 12 लोगों को हल्की छोटे आई हैं और सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया है। बयान में कहा गया है कि महावीरी मेले के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद यह घटना हुई है। उसमें कहा गया है कि मढ़ौरा अनुमंडल पदाधिकारी और मशरख अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। बयान में कहा गया है कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी । पुलिस ने लोगों से इस घटना को लेकर अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति और व्यवस्था बनाए रखने में जिला प्रशासन की मदद करने की अपील की है।

जद(यू) नेता केसी त्यागी ने बलात्कारियों को नपुंसक बनाने का सुझाव दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता में एक चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की घटना के बाद महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न को लेकर देश में छिड़ी तीखी बहस के बीच जनता दल (यूनाइटेड) के नेता के. सी. त्यागी ने बलात्कारियों को सजा के तौर पर नपुंसक बनाने का बुधवार को सुझाव दिया। उन्होंने बलात्कार के मामलों में एक महीने के भीतर त्वरित न्याय का भी आह्वान किया।

त्यागी ने 'पीटीआई' संपादकों के साथ बातचीत में कहा, ''ये लोग पुरुष ही न बचें ऐसी सजा होनी चाहिए। बलात्कारियों का पौरुष खत्म कर देना चाहिए।'' पश्चिम बंगाल में हुए इस जघन्य अपराध और उसके बाद देशभर में हुए आक्रोश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एक समाजवादी के रूप में उनका मानना है कि महिलाओं की इच्छा के विरुद्ध कार्य करने से बड़ा कोई अत्याचार नहीं हो सकता। त्यागी ने कहा कि बलात्कार के दोषी को ऐसी कठोर सजा देने से यह सुनिश्चित होगा कि उसे अपने अपराध के लिए अपनी अंतिम सांस तक कष्ट सहना पड़ेगा और कोई भी ऐसा अपराध करने की

शरत कमल की निकट भविष्य में संन्यास की योजना नहीं, टूर पर एक और सत्र खेलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के पांचवें ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद संन्यास की योजना बनाने की उम्मीद थी लेकिन 42 साल के इस खिलाड़ी ने बुधवार को पेशेवर टूर पर एक और सत्र में खेलने की प्रतिबद्धता जाहिर की।

शरत को बुधवार को एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया जो अगले महीने अस्ताना में खेली जायेगी। पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक शरत ने कहा कि वह सात अक्टूबर से शुरू होने वाले एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी हिस्सा लेंगे। भारत की सर्वश्रेष्ठ 37 रैंकिंग हासिल करने वाले शरत दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने का लक्ष्य भी बनाये हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, ''अगले नौ महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। लेकिन साथ ही मैं आईओसी और आईटीटीएफ में विकल्प की तलाश करूंगा। अपने देश में टीटीएफआई के साथ एक ढांचा बनाने में मदद करने की कोशिश करूंगा ताकि साई और टीटीएफआई के बीच अंतर कम हो सके और खेल में ज्यादा से ज्यादा कोरपोरेट प्रायोजक आयें। ''

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं। उन्होंने 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेने की बात खारिज की लेकिन उनके 2026 एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''मैं अगले साल एशियाई खेलों पर फैसला लेना चाहूंगा। ओलंपिक के बाद मेरी फिटनेस ठीक है। मुझे समय भी मिला और चेन्नई में यूटीटी (अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग) है। मैं व्यक्तिगत जिंदगी में भी संतुलन बना रहा हूं। ''

भाजपा की विभाजनकारी राजनीति के जवाब में हमने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया : फारुक अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/डूरू/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी ने भाजपा की ''सांप्रदायिक और विभाजनकारी राजनीति'' से मुकाबला करने के लिए जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने दक्षिण कश्मीर की डूरू सीट से कांग्रेस उम्मीदवार जी ए मीर के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस दौरान मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मौजूद थे।

अब्दुल्ला ने कहा, ''वे (भाजपा) लोगों को धर्म के नाम पर बांट रहे हैं। इसलिए हमने यह गठबंधन किया है। हम सम्मानजनक जिंदगी चाहते हैं। इसलिए हम सभी को एक साथ आना होगा।'' उन्होंने नेकां के मतदाताओं से गठबंधन के उम्मीदवार मीर को वोट देने का आग्रह किया। फारुक ने कहा, ''आपको कांग्रेस या नेकां को देखने की जरूरत नहीं है। आपको इन विभाजनकारी ताकतों से लड़ने के लिए एक साथ हाथ आना होगा।'' इससे पहले, डूरू रैली में भाग लेने के लिए अपने आवास से निकलते समय श्रीनगर में अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन कोई मजबूरी नहीं है, बल्कि जम्मू-कश्मीर के विकास और केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए समय की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी का केंद्र शासित प्रदेश का दौरा उन लोगों के मुंह पर तमाचा है जो जम्मू-कश्मीर के मुख्यधारा के नेताओं को पाकिस्तानी या खालिस्तानी कहते हैं। रैली को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बेहद कठिन दौर देखा है। उन्होंने कहा, ''एक बात याद रखें, इन 10 वर्षों में जो मुश्किल हालात रहे हैं उसके बावजूद हम जिंदा है यह खुशी की बात है। उन्होंने हमारा जीना दुश्वार कर दिया। सभी अधिकारी बाहर से हैं। वे इस जगह के बारे में क्या जानते हैं। हमें इन लुटेरों से खुद को बचाने की जरूरत है।''

सुविचार

संकट के समय में समस्याओं पर चर्चा नहीं, बल्कि समाधान को खोजने का प्रयास करें!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तथ्यों से 'छेड़छाड़' क्यों?

फिल्मों और वेब सीरीजों में तथ्यों से 'छेड़छाड़' करने का बढ़ता चलन गंभीर चिंता का विषय है। इनका समाज पर गहरा प्रभाव होता है। दर्शकों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उन्हें जो कुछ दिखाया जा रहा है, वह तथ्यात्मक रूप से सही हो। वेब सीरीज 'आईसी-814: द कंधार हाइजैक' में विमान के अपहर्ताओं के नाम बदलकर उन्हें जिस तरह पेश किया गया है, उससे इसके निर्माताओं की मंशा पर कई सवाल उठते हैं। ऐसी वेब सीरीज बनाने के लिए बहुत अध्ययन करना होता है, तथ्य जुटाए जाते हैं, घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से मुलाकातें की जाती हैं, जो बिंदु अत्यंत महत्त्वपूर्ण हों, उन्हें प्रमुखता से उठाया जाता है। इसके बावजूद निर्माताओं ने अपहर्ताओं को इस तरह कैसे पेश कर दिया? क्या यह अनजाने में हो गया? ऐसा नहीं हो सकता कि वेब सीरीज की पटकथा और संवाद लिख दिए जाएं और लेखक को अपहर्ताओं के असल नाम भी मालूम न हों! ऐसी फिल्मों और वेब सीरीजों के पीछे एक खास तरह की रणनीति भी होती है, जिसके तहत जानबूझकर कोई विवाद खड़ा किया जाता है, ताकि लोग उनकी ओर ध्यान दें, वे सोशल मीडिया पर चर्चित हों और उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। हालांकि ऐसी रणनीति हमेशा काम नहीं आती। पूर्व में सोशल मीडिया पर 'बहिष्कार' की अपीलों के बाद कुछ फिल्में औंधे मुंह गिर चुकी हैं। एक अभिनेता, जिन्हें इस देश की जनता ने बहुत प्रेम और सम्मान दिया, उनकी फिल्में देख-देखकर उन्हें कामयाबी की बुलंदियों तक पहुंचा दिया, वे कुछ साल पहले यह शिकायत करने लगे थे कि भारत में 'असहिष्णुता' बहुत बढ़ गई है! यह अलग बात है कि वे एक फिल्म में देवी-देवताओं का बहुत मजाक उड़ाते दिखाई दिए थे।

आईसी-814 पर माकपा नेत्री सुभाषिनी अली का यह कहना भी अतिशयोक्तिपूर्ण है कि 'इससे ... को डर है कि युवाओं को वाजपेयी सरकार द्वारा आतंकियों को छोड़े जाने का पता चल जाएगा!' इसमें डर की क्या बात है? उस घटना के बारे में काफी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है। हां, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने दुर्दांत आतंकवादी मसूद अजहर, उमर शेख और मुश्ताक अहमद जरगर को रिहा किया था, क्योंकि उस समय आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाए गए अपने नागरिकों की जान बचाना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता थी। अगर सरकार इसी बात पर अड़ी रहती कि 'आतंकवादियों की एक भी मांग नहीं मानेंगे' तो क्या होता? उससे उन बंधकों की जान जा सकती थी। आतंकवादी उन पर बंदूकें तानें खड़े थे। अगर सरकार किसी भी आतंकवादी को नहीं छोड़ती और उधर आतंकवादी उन यात्रियों पर गोलियां बरसाना शुरू कर देते तो ये ही 'बुद्धिजीवी' तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी को दोष देते कि आपने मामले को गंभीरता से नहीं लिया, आपको लोगों की जान की परवाह ही नहीं है ...! उन आतंकवादियों को छोड़ने के फैसले की यह कहकर भी आलोचना की जाती है कि इससे जैश-ए-मोहम्मद का जन्म हुआ, आतंकवादियों के हौसले बढ़े। यह आलोचना पूरी तरह गलत भी नहीं है। कुछ लोग उत्साह में यह भी कह देते हैं कि 'ऐसे खूंखार आतंकवादियों को जेलों में रखा ही क्यों, उनका पहले ही एनकाउंटर क्यों नहीं कर दिया, सरकार ने उन्हें छोड़ा ही क्यों था'! अगर हर खूंखार आतंकवादी का खात्मा एनकाउंटर में हो जाए, तो भी कई लोग पूरी तरह संतुष्ट नहीं होंगे। वे सवाल करेंगे- क्या यही एक तरीका था? क्या उसे जिंदा नहीं पकड़ सकते थे? कहीं सच को छिपाने की कोशिश तो नहीं हो रही है? सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक तक का सबूत मांगने वाले लोग उस आतंकवादी के एनकाउंटर का भी सबूत मांगेंगे और कुछ तो उसके 'अधिकारों की रक्षा' का मुद्दा उठाकर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटा देंगे। भले ही आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हो या न हो! जिन्हें किसी मुद्दे पर विवेक एवं बुद्धिपूर्वक विचार करने के बजाय कोरा विरोध ही करना आता है, वे हर फैसले का विरोध ही करते रहेंगे। उन्हें इसकी स्वतंत्रता है। विवेकशील लोगों को तथ्यों की सही जानकारी लेनी चाहिए और किसी भी अतिशयोक्तिपूर्ण प्रचार एवं विचार से सावधान रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

अब कश्मीर को भारत से अलग बताने वाले भी अभूतपूर्व विकास देखकर चुप पड़ जाते हैं। यही कश्मीर में बदलाव की बयार है। आज जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले के बुद्धल में भाजपा प्रत्याशी चौधरी ज़ुल्फ़िकार जी के पक्ष में रैली की।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

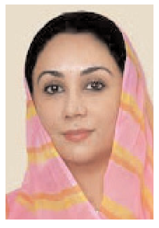

पेरिस पैरालिंपिक- 2024 में पुरुषों की शॉट पुट एफ 46 प्रतिस्पर्धा में भारतीय पैरा एथलीट सचिन सरजेराव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीत कर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। सचिन को इस बेहतरीन उपलब्धि के लिए अनंत शुभकामनाएं!

-दीया कुमारी

मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के पूज्य पिताजी श्री पूनम चंद यादव जी का निधन अत्यंत दुःखद है। प्रभु श्री राम जी दिवंगत आत्मा को अपने परम धाम में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

शिक्षा की सार्थकता

विनोबा भावे एक बार एक गांव में घूम रहे थे। वहां उन्होंने देखा कि एक किसान अपने खेत में काम कर रहा था, जबकि उसका बेटा पेड़ के नीचे आराम फरमा रहा था। विनोबा जी ने उस युवक से पूछा, 'बेटा, तुम अपने पिता की मदद क्यों नहीं कर रहे हो?' युवक ने उत्तर दिया, 'बाबा, मैं पढ़ा-लिखा हूं। मैंने कॉलेज की डिग्री हासिल की है। मैं इस काम को कैसे कर सकता हूं?' विनोबा जी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अच्छा, तो तुम शिक्षित हो। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि इस पेड़ की जड़ें कहां हैं?' युवक ने कहा, 'बाबा, जड़ें तो जमीन के अंदर होती हैं।' 'और इसकी शाखाएं?' युवक ने उत्तर दिया, 'वे तो ऊपर आकाश की ओर फैली हुई हैं।' विनोबा जी ने कहा, 'बेटा, तुम्हारी शिक्षा अधूरी है। असली ज्ञान वह है जो हमें जमीन से जोड़े और साथ ही आकाश की ओर ले जाए। जैसे यह पेड़ अपनी जड़ों से धरती से जुड़ा है और शाखाओं से आकाश को छूता है, वैसे ही हमें भी होना चाहिए। अपने माता-पिता और समाज की सेवा करते हुए हमें अपने ज्ञान और कौशल का विकास करना चाहिए।' युवक को अपनी गलती का अहसास हुआ।

सामयिक

भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को संकटों में भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही है। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित की गयी, इसको लेकर देश में शिक्षा एवं शिक्षक पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। भारत की नई शिक्षा नीति में शिक्षा व्यवस्था के अलावा शिक्षकों की योग्यता एवं गुरुता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे देश में एक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा' पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का शंखनाद हो। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक वर्ग इस वर्ग के कंधों पर राष्ट्र के भविष्य-निर्माण यानी नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत का गुरुतर दायित्व है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भी भूल रह जाती है तो समाज के निर्माण की नींव खोखली रह सकती है।

वैदिक काल से ही भारत शैक्षणिक स्तर पर समृद्ध रहा है। इसी शिक्षा के आधार पर भारत विश्वगुरु कहलाता रहा है। गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली भारतीय परंपरा का प्रमुख अंग है। नालंदा और तक्षशिला की स्थापना तथा इसके प्रभाव से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परंपरा को जाना जा सकता है। लेकिन आजादी के बाद से हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ब्रिटिश ढांचे पर अग्रसर हुई है, जिसके कारण शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे है।

शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारा समाज एक अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर दिखाई देता है। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों के साथ हमारे देश को नई समस्याओं का सामना करना है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें ऐसे ज्ञान, कौशल और दक्षता की आवश्यकता होगी जो हमारी समस्या समाधान में योगदान कर सके। हजारों की संख्या में उच्च शैक्षणिक, शोध संस्थानों तथा मानव संसाधन की प्रचुरता के बावजूद भारत में अभी ज्ञान संस्कृति' का विकास और विस्तार तीव्र गति से नहीं हो पाया है। हमारी बौद्धिक संपदा का व्यावहारिक उपयोग भी नाकाफी है। आज प्रतिभा पलायन भारत की एक बड़ी समस्या है। 2011 की जनगणना के अनुसार 26 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी निरक्षर हैं जो कि बेहद डरावना आंकड़ा हैं क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमारी महत्त्वकांक्षाएं इससे ज्यादा की मांग करती है।

> **राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं?**

नई शिक्षा नीति में पारंपरिक से आधुनिक शैक्षणिक प्रतिमानों में गहरा बदलाव करके पूर्ण मानवीय क्षमता को प्राप्त करने, एक समतापूर्ण समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयत्न हो रहे हैं। अब अनुभवात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत हो रही है। इस समकालीन शैक्षिक परिदृश्य में, क्या सीखना है से लेकर कैसे सीखना है, इस पर जोर दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यह उद्यमशीलता, नवाचार और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के महत्व को रेखांकित करती है। भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग का गवाह बन रहा है। भारत में शिक्षा ने अब खुद को पुनर्गठित किया है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी कितनी आवश्यक है। इसी शिक्षा के कारण भारत का भाल आज भी गर्व और गौरव से उन्नत है। भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है- भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो।''

महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। इन्हीं सब चर्चाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियाँ रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था? यह स्वप्न है जिसके माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास, व्यवहार को परिष्कृत करना तथा ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाना।

शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का भंडार हैं जो अपने शिष्यों को अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पीढ़ी निर्मित होगी जो उज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो। हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आजादी के अमृतकाल यानी पिछले 75 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं तो कई ऐसे प्रश्न हैं जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौती हैं। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयता के अनुकूल बनाने की जरूरत है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संदर्भ में एक शिक्षक की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि उसे न केवल बच्चों का बौद्धिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक विकास करना है बल्कि सामाजिक, चारित्रिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास भी करना है।

नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य सा विद्या या नियुक्तये' हो गया है अर्थात विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

नजरिया

शिक्षा के व्यापार में गुम होते आदर्श शिक्षक

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 082374 17041

सिर्फ शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम दुनिया में कोई भी सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकते है और बेहतर शिक्षा, संस्कार, कला-गुणों का संचार विद्यार्थी में आदर्श शिक्षक ही कर सकते है। जीवन में शिक्षक का स्थान माता-पिता तुल्य होता है, क्योंकि शिक्षक ही विद्यार्थियों को जीवन में योग्य मार्गदर्शन देकर सफलता के प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए काबिल बनाते है। जीवन में गुरु बिना ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता। शिक्षक गुणों की खान होते है, शिक्षक ज्ञानी, विशेषज्ञ, मृदुभाषी, दूरदृष्टि, सहनशील, उत्तम श्रोता-वक्ता, समझदार, प्रोत्साहन कर्ता, अनुसंधानकर्ता, जिज्ञासा वृत्ति, परोपकारी, सत्य, निष्ठा, त्यागी, सदाचारी, धैर्यवान, निर्व्यसनी होते है। शिक्षक अपने सभी विद्यार्थियों को एक स्तर से देखते है, कभी कोई भेदभाव नहीं करते। शिक्षक शिल्पकार की भूमिका में होते है जो अपने विद्यार्थियों को कलागुणों से निखारकर आदर्श विद्यार्थी में तब्दील करते है। हमारे देश में महान शिक्षक समाज सुधारकों के रूप में हमें मिले है।

क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले एवं उनकी पत्नी क्रांतिज्योती सावित्रीमाई फुले जिन्होंने भारत देश में सर्वप्रथम स्त्री शिक्षा की ज्योत जलाने के लिए समाज की घृणा सहन करके लड़कियों के लिए पहली स्कूल स्थापित की। ज्योतिबाजी ने अपनी पत्नी को पढ़ाकर-लिखाकर एक आदर्श शिक्षिका बनाकर एक इतिहास बनाया और फिर दोनों ने मिलकर शिक्षा के मोल को समझकर समाज में नई क्रांति की शुरुआत की। लोगों के ताने, गालियाँ, फब्तियां, तिरस्कार सहते थे, उनपर लोग पत्थर, कीचड़, गोबर फेकते थे। पूरा समाज उनके विरुद्ध होकर भी फुले दंपत्ति निस्वार्थ भाव से अपना सब कुछ त्याग कर शिक्षा की लौ जलाते रहे। एक पल के लिए अगर हम उनके संघर्ष के दिनों की कल्पना भी करे तो हमारी रूह कांप जाती है, ऐसा असहनीय दर्द भरा संघर्ष उन्होंने शिक्षित समाज की नींव रखने के लिए सहा।

धीरे-धीरे अनेक महान समाज सुधारकों ने शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संस्थानों की स्थापना की। इन शिक्षा संस्थानों का केवल एक ही उद्देश्य था कि सबको बिना किसी भेदभाव या ऊंच-नीच के एक समान शिक्षा का अधिकार मिल सकें। आज हम आधुनिक युग में शिक्षा का स्तर देखते है तो, इसका स्वरूप पिछले कुछ दशकों के मुकाबले बिलकुल विपरीत नजर आता है। बच्चों के शिक्षा के प्राथमिक स्तर अर्थात नर्सरी से लेकर पीएचडी तक शिक्षा एक पैकेज के रूप में पैसे के हिसाब से मिलता है, इसमें पुस्तकें, यूनिफार्म, कोचिंग, स्टेशनरी हर चीज पहले से तय होती है। शिक्षा के बाजार में प्रतियोगिताएं भी खूब चलती है। कुछ महंगे शिक्षा संस्थान तो फाइव स्टार होटल जैसा अत्याधुनिक सेवा-सुविधाओं वाला पैकेज भी विद्यार्थियों को प्रदान करते है। शिक्षा के क्षेत्र में अब दिखावे को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है।

सरकारी और निजी ऐसे दो प्रकार के शिक्षा संस्थान हमारे देश में है। सरकारी संस्थान में शिक्षकों का वेतन बेहतर होने के कारण वहां के शिक्षकों की आर्थिक स्थिती समाधानकारक होती है। देश में केंद्र सरकार के आईआईटी, आईआईएम, विश्वविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, आर्मी पब्लिक स्कूल जैसे संस्थान अपने बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाने जाते है, परंतु अन्य संस्थानों में बहुत बुरी स्थिति में शिक्षा प्रणाली नजर आती है। अनेक प्रवेश परीक्षाओं, शिक्षक भर्ती में फर्जीवाड़ा नजर आता है। बड़े-बड़े वेतनभोगी शिक्षकों को अपने विषय का ज्ञान नहीं होता। बहुत से राज्यों की सरकारी शिक्षा संस्थान कबाड़ की दुकान नजर आती है, विशेष रूप से पिछड़े क्षेत्रों में। नकली पदवी के लिए भी रैकेट सक्रिय है। शिक्षा विभाग में बहुत सी गंभीर समस्याओं की बातें तो जानते है, लेकिन कोई भी खुलकर विरोध नहीं करता है। आज शिक्षक भी व्यभिचार, भ्रष्टाचार, भेदभाव, नशाखोरी करता हुआ दिखता है।

प्रसिद्ध निजी शिक्षण संस्थान जो आर्थिक रूप से मजबूत है, वे शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने और बेहतर सुविधा विद्यार्थियों को प्रदान करने का प्रयत्न करते नजर आते है, लेकिन छोटे निजी संस्थान में नियमानुसार योग्यतापूर्ण शिक्षक की भर्ती केवल नाम के लिए होती है, क्योंकि अत्यल्प वेतन पर शिक्षक को नौकरी पर रखना उस शिक्षक से धोखा है, इसलिए ऐसे संस्थानों में हर साल अयोग्य नये शिक्षक आते-जाते है। इस कालावधि में विद्यार्थियों का बहुत नुकसान होता है, शिक्षक भी अपने छोटे-से वेतन के हिसाब से कामचलाऊ शिक्षा प्रदान करते है। ऐसे शिक्षक और विद्यार्थी दोनों विकसित समाज के लिए रुकावट का काम करते है। आजकल देश में गिरते शिक्षा के स्तर के लिए ऐसी शिक्षा प्रणाली जिम्मेदार है।

शिक्षा में अनेक कलंकित करने वाली घटनाएं नित्य घटित होती है, 15 अगस्त 2024 को नागपुर (महाराष्ट्र) के दैनिक भास्कर हिंदी समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ पर राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में 92 प्रोफेसर पद भर्ती के लिए 30 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने की खबर प्रकाशित हुयी थी, अर्थात हर एक पद के लिए 50-80 लाख रूपये के आसपास। 20 अगस्त 2024 को लोकमत समाचार पत्र में भी छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) के एक महाविद्यालय के प्रोफेसर जिनका वेतन पौने तीन लाख रूपये महीना है, उन्होंने अपने एक पीएचडी के विद्यार्थी से 5 लाख रूपये रिश्वत में लेने का तय किया और इसकी पहली किस्त 50 हजार रूपये लेते हुए एंटी करेप्शन ब्यूरो द्वारा प्रोफेसर पकडी गयी, यह खबर प्रकाशित हुयी थी।

ऐसी खबरें अक्सर ही पढ़ने-सुनने को मिलती है, इस क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी वर्ग इस हकीकत को काफी अच्छे से जानते है। लेकिन इसकी भयावहता का शिकार केवल गरीब और योग्य उच्च शिक्षित उम्मीदवार होता है क्योंकि वह रिश्वत नहीं दे सकता, इसलिए नौकरी प्राप्त कर पाना कठिन होता है। बहुत बार इस समस्या के बारे में कुलगुरु, सत्ताधारी नेता, मंत्री महोदय को अवगत कराया गया लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं मिला। गलत मार्ग से शिक्षक जैसे पवित्र पद प्राप्त करने वाले क्या सच में अपने पद की गरिमा, न्याय, निष्ठा बनाकर आदर्श शिक्षक बन पाएंगे? हमारे देश में 20 सालों से भी अधिक समय से योग्य उम्मीदवार यूजीसी-नेट, सेट, स्लेट जैसी असिस्टेंट प्रोफेसर पद हेतु योग्यता परीक्षा पास करके, एमफिल, पीएचडी पदवी प्राप्त करके, अपने जीवन के अनेक वर्ष, पैसा, उम्र इस उच्च शिक्षा को प्राप्त करने में खर्च करके भी उन्हें योग्यतानुसार नौकरी नहीं मिली इसलिए उनकी जिंदगी तबाह हो चुकी है। महाराष्ट्र राज्य में सरकारी सहायता प्राप्त (ग्रांटेड) कॉलेजों में प्रोफेसर पदों या नौकर भर्ती की जिम्मेदारी कॉलेज को दी गयी है, वेतन सरकार करता है लेकिन पद भर्ती कॉलेज करता है। अधिकतर शिक्षा संस्थान में अनुबंध पर शिक्षकों को दिहाड़ी मजदूर से भी कम वेतन प्राप्त होता है। इस महंगाई में जीवन जीना बहुत मुश्किल हो जाता है, इसलिए बहुत बार हताश होकर ऐसे शिक्षक आत्महत्या भी करते है।

एक बार मैं चंद्रपुर (महाराष्ट्र) के ग्रामीण क्षेत्र के राज्य सरकार द्वारा अनुदानित लड़कों के आवासीय आश्रम विद्यालय में एक दिन के लिए रुका था, तब बरसात का समय था, आश्रम भवन खंडहर की तरह था, दरवाजे की जगह लकड़ियों के टुकड़े जोड़कर काम चलाया जा रहा था, कमरे के अंदर से दीवारें भीगी थी, इतने अपर्याप्त सुविधाओं में छोटे-छोटे विद्यार्थी वहां निचे दरी बिछाकर सोते थे। स्नानगृह, शौचालय बहुत अस्वच्छ थे, इसलिए वहां के विद्यार्थी आश्रम के कुएं पर ही खुले में स्नान करते थे। वहां का रसोईघर देखकर तो किसी को भी भोजन करने की हिम्मत ही नहीं होगी। दीवारों से लगकर ही नालियां बह रही थी, जिसमें मौजूद बड़े-बड़े मच्छर एक पल के लिए भी शांत बैठने नहीं देते थे, ऐसे वातावरण में सांप, बिच्छू का डर बना रहता है। वह दृश्य आज भी याद करता हूँ, तो शरीर कांप जाता है और वहां के बच्चों पर तरस आता है कि देश का आने वाला भविष्य किस बदहाल स्थिति में दिन काट रहा है। आज के युग में सच्चा शिक्षक होना बहुत मुश्किल है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीन पहुंचा रहा है देश की आर्थिक समृद्धि को नुकसान और सरकार ने साध रखी है चुप्पीः कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि चीन से अनियंत्रित आयात घरेलू स्तर पर 'कहर' बरपा रहा है। इसके साथ ही पार्टी ने सरकार पर देश की क्षेत्रीय अखंडता और आर्थिक समृद्धि को चीन द्वारा किए जा रहे नुकसान पर 'सोची-समझी चुप्पी और 'निष्क्रियता' बनाए रखने का आरोप लगाया।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि अनियंत्रित चीनी आयात और 'डंपिंग' पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया 'बिखरी' हुई है।

उनकी टिप्पणी थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की उस रिपोर्ट पर आई जिसमें कहा गया है कि चीन से छाता, संगीत वस्तुओं जैसे सामान का आयात भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''हर दिन चीनी आयात पर भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती निर्भरता पर नई जानकारी आती है। आज हमें पता चला कि हमारे देश के लगभग 96 प्रतिशत छाते और 50 प्रतिशत से अधिक खिलौने और संगीत उपकरण चीन से आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे प्रमुख उद्योगों में चीन से भारत का आयात लगभग नौ गुना बढ़ा है जो 2016-17 में 1.4 अरब डॉलर था और 2023-2024 में बढ़कर 12.1 अरब डॉलर हो गया है।

रमेश ने कहा कि इस अवधि में भारत का दवा सामग्री आयात 1.6 अरब डॉलर से दोगुना होकर 3.3 अरब डॉलर हो गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि दुनिया भर की सरकारें चीन की औद्योगिक अतिक्षमता से और विदेशों में उसके माल की 'डंपिंग' को लेकर सजग हैं। उन्होंने कहा, ''वे अनियंत्रित चीनी आयात को प्रतिबंधित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही हैं और आर्थिक रूप से चीन के प्रति निर्भर होने के जोखिम के बजाय उससे 'अलग होने' को प्राथमिकता देने के लिए एकीकृत आर्थिक रणनीतियों का अनुसरण कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमारी सीमाओं पर और हमारी भूमि के भीतर चीनी सैनिकों की ओर से बढ़ते राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे के बावजूद, भारत सरकार इस मामले में सुस्ती बरत रही है।'' उन्होंने कहा कि 'टिकटॉक' पर तो प्रतिबंध लगा दिया गया लेकिन आयात बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''चीन से अनियंत्रित आयात घरेलू स्तर पर कहर बरपा रहा है। उदाहरण के लिए, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में भारत के लगभग 30-35 प्रतिशत स्टेनलेस स्टील एमएसएमई को बड़े पैमाने पर सस्ते चीनी आयात के कारण जुलाई से सितंबर 2023 के बीच बंद करना पड़ा है।'

ब्रिटेन सरकार और उद्योग की विफलताओं के कारण ग्रेनफेल टावर मौत का जाल बनाः रिपोर्ट

लंदन/एपी

ब्रिटेन की राजधानी में ग्रेनफेल टावर में भीषण आग की घटना पर बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार, नियामकों और उद्योग की दशकों की विफलताओं के चलते बहुमंजिला इमारत ''मौत के जाल'' में तब्दील हो गई जिसमें 72 लोगों की जान चली गई थी।

वर्ष 2017 में हुए इस अग्निकांड की कई साल तक चली सार्वजनिक जांच में निष्कर्ष निकला है कि त्रासदी का कोई ''एकल कारण'' नहीं था, बल्कि बेईमान कंपनियों, कमजोर या अक्षम नियामकों और लापरवाह सरकार के रवैये के कारण इमारत में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन की धरती पर आग लगने की सबसे भयावह घटना हुई। जांच के प्रमुख सेवानिवृत्त न्यायाधीश मार्टिन मूर-बिक ने कहा कि आग की चपेट में आए लोगों की मौत टाली जा सकती थी लेकिन बार-बार लापरवाही की जाती रही। उन्होंने कहा, ''इसमें सभी का किसी न किसी तरह से योगदान रहा, ज्यादातर मामलों में अक्षमता के जरिए लेकिन कुछ मामलों में बेईमानी और लालच के जरिए।'' ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जांच निष्कर्ष आने के बाद सरकार की ओर से माफी मांगी और कहा कि ऐसी त्रासदी ''कभी नहीं होनी चाहिए''। उन्होंने पीड़ित परिवारों से न्याय का वादा किया।

हालाँकि, रिपोर्ट घटना में जीवित बचे लोगों को कुछ ऐसे उत्तर दे सकती है जिनकी उन्हें लंबे समय से प्रतीक्षा थी लेकिन उन्हें यह देखने के लिए अभी इंतजार करना होगा कि क्या किसी को दोषी मानकर मुकदमा चलाया जाएगा। पुलिस आरोपों पर निर्णय लेने से पहले जांच के निष्कर्षों की पड़ताल करेगी।

हिंदी में कार्य में प्रगति सबकी भागीदारी, प्रयास और अभ्यास से संभव : डॉ. जगदीश

कॉफी बोर्ड मुख्यालय में 'राजभाषा संगम' कार्यक्रम हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी माह-2024 का शुभारंभ 'राजभाषा संगम' कार्यक्रम से हुआ। इसके पूर्वाह्न सत्र में स्मृति पर आधारित अनुवाद टूल कंठस्थ 2.0 पर कार्यशाला एवं अपराह्न सत्र में हिंदी काव्य पाठ शामिल था।

पहले सत्र के अध्यक्षीय संबोधन में कॉफ़ी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव डॉ. केजी जगदीश ने कहा कि कार्यालय में हिंदी में कार्य में प्रगति सबकी भागीदारी, प्रयास और अभ्यास से संभव है। उन्होंने हिंदी में नई पहल और प्रौद्योगिकी पर बल दिया।

कंठस्थ 2.0 के प्रशिक्षक एवं केनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) मयंक पाठक ने टूल के इस्तेमाल और इसके लाभ के सभी पहलुओं को अभ्यास के माध्यम से बताया। कॉफ़ी बोर्ड उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने कहा कि हिंदी का विकास साहित्य, व्यापार, सिनेमा आदि सभी क्षेत्रों से हुआ है। हमें हिंदी की निरंतर सेवा करनी होगी। दूसरे सत्र में काव्य पाठ हुआ। उसमें 26 कार्मिकों ने प्रस्तुति दी। राकास के उपाध्यक्ष एवं वित्त निदेशक एनएन नरेंद्र ने अपने संबोधन में काव्य को साहित्य की आत्मा बताते हुए इसे संवेदना और मनुष्य होने के यथार्थ स्वरूप में सहायक माना।

अतिथि कवयित्री गरिमा सक्सेना ने शृंगार, प्रेम और ज्वलंत मुद्दों के केंद्र में स्त्री की स्थिति पर काव्य पाठ से सभी को अभिभूत किया। उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेकाका (दक्षिण) अनिर्बान कुमार विश्वास ने कॉफ़ी बोर्ड की इस अनूठी पहल के लिए बधाई दी एवं राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने में नवाचार के साथ सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. इसपाक अली ने कर्नाटक में हिंदी की प्रगति को रेखांकित करते हुए विषय सापेक्ष काव्य और शायरी पढ़ीं। इस अवसर पर कॉफ़ी बोर्ड के कार्मिक सहित बेंगलूरु में स्थित उपक्रम, बैंक, बीमा और सरकारी कार्यालयों से लगभग 75 अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम में उत्कृष्ट काव्य पाठ करने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सी मादप्पा, अनुश्री पीएस ने किया। उषा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुलाकात

नई दिल्ली में बुधवार को पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

फरहान अख्तर ने शुरू की फिल्म '120 बहादुर' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता-फिल्मकार फरहान अख्तर ने अपनी आने वाली फिल्म '120 बहादुर' की शूटिंग शुरू कर दी है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने फिल्म '120 बहादुर' की घोषणा की है। फिल्म '120 बहादुर' में फरहान अख्तर मुख्य भूमिका में नजर आयेंगे।फरहान अख्तर ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म मेजर शैतान सिंह यानी पीवीसी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी कहती है। यह मिलिट्री एक्शन फिल्म 1962 के इंडो-चाइना वॉर के दौरान की कहानी है और रेजांग ला की लड़ाई से प्रेरित है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने दो रोमांचक मोशन पोस्टर जारी किए हैं।रजनीश 'राज़ी' घई द्वारा निर्देशित इस फिल्म का उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी का सम्मान करना भी है।

फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म '120 बहादुर' का पोस्टर शेयर करते हुये लिखा,जो उन्होंने हासिल किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।मेरे लिए यह एक बड़े ही गौरव और सम्मान की बात है कि मैं आपको आदरणीय परम वीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह भाटी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी प्रस्तुत कर रहा हूं।

18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़ी गई प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई, यह हमारे वीर सैनिकों की अद्वितीय वीरता, अदम्य साहस और नि:स्वार्थता की कहानी है।हम अत्यंत आभारी हैं कि इस अद्भुत वीरता की गाथा को पर्दे पर लाने में हमें भारतीय सेना का समर्थन और पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

जलवायु परिवर्तन से खतरे में पड़ सकता है मतदान का अधिकार : ओली

काठमांडू/भाषा

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने बुधवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण अप्रत्याशित मौसम और प्राकृतिक आपदाओं से नागरिकों का मतदान का अधिकार खतरे में पड़ सकता है। ओली यहां 'फोरम ऑफ इलेक्शन मैनेजमेंट बॉडीज ऑफ साउथ एशिया' (फेम्बोसा) के 12वें सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और सोशल मीडिया का उदय तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका जैसे मुद्दे हमारे लोकतंत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' ओली ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन के कारण अप्रत्याशित मौसम पैटर्न और प्राकृतिक आपदाएं यह सुनिश्चित करने की हमारी क्षमता को खतरे में डालती हैं कि प्रत्येक नागरिक अपने वोट देने के अधिकार का प्रयोग कर सके...जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा नहीं है, यह हमारे समाज के हर पहलू को प्रभावित करता है।'' ओली ने 'चुनावों में उभरती प्रवृत्ति: जलवायु परिवर्तन, सोशल मीडिया और प्रवासन' थीम वाले दो दिवसीय सम्मेलन में कहा, ''सीमाओं के पार और हमारे देशों के भीतर लोगों की आवाजाही का मतदाता सूची, मतदाता पहचान और मतदान के अधिकार पर गहरा प्रभाव पड़ता है।'' ओली ने कहा, ''हालांकि ये उपकरण पहुंच और भागीदारी के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन वे गलत सूचना, दुष्प्रचार, फर्जी समाचार और हेरफेर जैसे जोखिम भी लाते हैं जो हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इन प्रौद्योगिकियों को अपनाते समय पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए सावधानी और दृढ़ प्रतिबद्धता का पालन किया जाना चाहिए।

नेपाल के मुख्य चुनाव आयुक्त दिनेश कुमार थपलिया ने कहा कि राजनीतिक दल चुनाव कराते समय पर्यावरण के मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''दक्षिण एशिया में सरकारों को पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि इसका प्रभाव लोगों के प्रवासन और बदलते मतदान पैटर्न में देखा जा सकता है... हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनाव कराने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्रौद्योगिकी के साथ-साथ सामग्री भी पर्यावरण के अनुकूल होनी चाहिए।''

'ताजा खबर' सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

हॉटस्टार स्पेशल्स एक्शन-ड्रामा शो 'ताजा.खबर' सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

हॉटस्टार स्पेशल्स ताज़ा खबर अपने सीजन 2 के साथ 27 सितंबर, 2024 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर लौट रहा है।रोहित राज और भुवन बम द्वारा बीबी की वाइन्स प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित और हिमांक गौड़ द्वारा निर्देशित इस सीरीज में जावेद जाफरी,श्रिया पिलगांवकर, प्रथमेश परब, देवेन भोजानी और शिल्पा शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। इस शो में जावेद जाफरी दबंग और दमदार युसुफ अख्तर की भूमिका निभा रहे हैं, जोकि वस्या के लिये बड़ा खतरा पैदा करेगा। भुवन बम ने कहा, 'ताज़ा खबर सीजन 2 हर किसी के दिमाग में है और यह घोषणा करते हुए मैं बहुत खुश हूं कि वस्या लौट आया है! हमारे प्रशंसकों ने इसकी जमकर तारीफ की है और मैं उनकी अटकलों और अनुमानों की भरमार देख रहा हूं। अपने प्रशंसकों को मैं आश्वस्त कर सकता हूं कि उनका इंतजार बेकार नहीं जाएगा। सीजन 2 की शूटिंग में भावनात्मक चुनौती मिली और मैंने वस्या की आँखों में खुद को देखा। उसका सफर ही उसके इर्द-गिर्द की सारी चीजों को संतुलित कर देता है। इस सीजन में मेरा किरदार बेहतर हुआ है और वह छुटकारे तथा असलियत का सफर शुरू करेगा।

इसके अलावा, मुझे दिग्गज अभिनेता जावेद जाफरी के साथ काम करने में बड़ा मजा आया और मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। ताज़ा खबर डिज्नी+ हॉटस्टार के जरिये आपकी स्क्रीन्स पर आ रही है। जावेद जाफरी ने कहा, एक्टर होने के नाते मैंने हमेशा अपने भीतर छुपी क्षमताओं को खोजना और नई भूमिकाओं से खुद को चुनौती देना पसंद किया है। जब मेरे पास ताज़ा खबर सीजन 2 का ऑफर आया, तब विरोधी किरदार निभाने को लेकर मैं रोमांचित था। यूसुफ में लेयर्स हैं, वह दमदार है और उसका बर्ताव डराने वाला है। मैंने पहले कभी ऐसा कोई रोल नहीं किया है। भुवन बम जैसे असरदार और कड़ी मेहनत करने वाले युवा के साथ काम करना बेहतरीन रहा। वह हमेशा जोशीले और दृढ संकल्पित रहते हैं। रचनात्मक तौर पर ताज़ा खबर से मुझे संतुष्टि मिली है और दर्शक वस्या और युसुफ की निर्णायक जंग देखने का भरपूर आनंद उठाएंगे।

श्रिया पिलगांवकर ने कहा, ताज़ा खबर में मधु का किरदार मेरे लिये बेहद खास है और उसे मिले प्यार के लिये मैं बहुत आभारी हूँ। उसके पास गहराई और ताकत है। सीजन 1 में हम सेक्स वर्कर के तौर पर उसका बदलाव देखते हैं, लेकिन आखिरकार वह सब-कुछ खो देती है। सीजन 2 में वह पलटकर अपना हक जता रही है। कहानी आगे बढ़ने के साथ, वस्या के साथ उसका रिश्ता मजबूत होगा। मधु ने मुझे प्रेरित किया है और मैं उम्मीद करती हूँ कि उसकी खूबियों ने ऐसी कई महिलाओं के दिलों को छुआ है, जो हर मुश्किल के बावजूद आज के जमाने में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। कुल मिलाकर, हमारे प्रशंसकों का प्यार और समर्थन शानदार था और मैं उत्साहित हूँ कि वे इस यादगार सफर का अगला अध्याय देखने जा रहे हैं। निर्देशक हिमांक गौड़ ने कहा, ताज़ा खबर के जरिये मैं हमेशा से जिन्दगी की कठोर सच्चाइयाँ दिखाने की कोशिश में रहा हूँ। मैं दिखाना चाहता था कि प्रोटेगोनिस्ट की ताकत का उससे क्या रिश्ता होता है और इससे उसके सफर में क्या बदलाव होता है। प्रशंसकों ने सीजन 1 को बड़ा पसंद किया है और इस कहानी से दर्शकों को इतना लगाव इसलिये हुआ, क्योंकि यह फर्श से अर्श तक पहुँचने की कहानी है।

सपना चौधरी की बायोपिक मैडम सपना का पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

हरियाणवी लोक कलाकार और मशहूर डांसर सपना चौधरी की बायोपिक मैडम सपना का पोस्टर रिलीज़ हो गया है। बॉलीवुड के जाने माने फिल्मकार महेश भट्ट, विनय भारद्वाज के साथ मिलकर सपना चौधरी की अनोखी और प्रेरक कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर लाने की तैयारी कर रहे हैं। मैडम सपना नाम की इस फिल्म का निर्माण शाइनिंग सन स्टूडियोज के बैनर तले किया जाएगा। सपना चौधरी ने अपने इंस्टा हैंडल पर फिल्म 'मैडम सपना' का पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने लिखा, जिन्दगी कभी आसान नहीं होती, ये हम सब जानते हैं। लेकिन हमारे संघर्ष, हमारी लड़ाइयां, हर किसी के लिए अलग-अलग होती हैं। जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मेरा सफर कभी भी फूलों की सेज नहीं रहा। फिर भी, आज मैं मजबूती से खड़ी हूं,सिर्फ सपना चौधरी के रूप में नहीं, बल्कि उन सबकी आवाज़ बनकर जो अपनी लड़ाइयां लड़कर उनसे ऊपर उठे हैं। शाइनिंग सन स्टूडियोज़ के जरिए मेरी यात्रा अब आपके सामने होगी-खरी, सच्ची, और बिना किसी बनावट के।''

दौरा

आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाई.एस. शर्मिला ने बुधवार को विजयवाड़ा के सिंह नगर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया।

कंगना रनौत ने अपनी अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री कंगना रनौत ने मंगलवार को अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा ऐसे समय की जब वह अपने निर्देशन में बनी फिल्म 'इमरजेंसी' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र मिलने का इंतजार कर रही हैं। फिल्म निर्माताओं के अनुसार, फिल्म में श्रमिक वर्ग के नायकों के अमूल्य योगदान को दिखाया जाएगा, जो पर्दे के पीछे रहकर दिन रात मेहनत करते हैं। मनोज तपाड़िया फिल्म का निर्देशन करेंगे और इसका कथानक लिखेंगे।

फिल्म का निर्माण यूनोइया फिल्म्स और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट करेंगी।

रनौत ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर इसकी घोषणा की। उन्होंने लिखा, ''बड़े पर्दे पर वास्तविक जीवन के नायकों के जादू का अनुभव कीजिए। 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा करके बहुत उत्साहित हूं। बबिता आशिवाल और आदि शर्मा जैसे प्रतिभाशाली निर्माताओं की जोड़ी और दूरदर्शी निर्देशक मनोज तपाड़िया के मार्गदर्शन में बनने जा रही यह फिल्म गुमनाम नायकों को एक सिनेमाई श्रद्धांजलि होगी।'' अभिनेत्री ने लिखा, ''यूनोइया फिल्म्स और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट की यह पहली फिल्म होगी। 'भारत भाग्य विधाता' दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ने का वादा करती है और उम्मीद, साहस तथा हालात से उबरकर उठ खड़े होने की प्रेरणा देती है।'' यूनोइया फिल्म्स की बबिता आशिवाल ने कहा कि 'भारत भाग्य विधाता' पर काम करना इनाम मिलने के समान है। आशिवाल ने एक बयान में कहा, ''हमारा लक्ष्य ऐसी फिल्म का निर्माण करना है जो दर्शकों को आकर्षित करे। कंगना के इससे जुड़ने से हमें भरोसा है कि फिल्म अच्छा प्रदर्शन करेगी।''

फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के आदि शर्मा ने कहा, ''इस फिल्म में कंगना के साथ हमारी साझेदारी हुई है। हमारा लक्ष्य ऐसी फिल्म का निर्माण करना है जो सीमाओं से परे जाकर दर्शकों से बेहद भावनात्मक रूप से जुड़े। उच्च विषय-वस्तु वाली फिल्में वास्तव में ब्लॉकबस्टर सफलताओं का भविष्य हैं।'' इस बीच, रनौत के निर्देशन में बनी 'इमरजेंसी' को अब तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र नहीं मिला है।

फिल्म की रिलीज कई बार आगे बढ़ाई गई थी और आखिरकार यह छह सितंबर को रिलीज होने वाली थी। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना इस फिल्म की निर्देशक और सह-लेखिका भी हैं। फिल्म में रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। कई सिख धार्मिक संगठनों ने फिल्म की आलोचना करते हुए दावा किया है कि फिल्म से ''सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सकता है'' और ''भ्रामक सूचनाएं'' फैल सकती हैं।

महिलाओं ने 'बुरे वक्त' का सामना हमेशा ही किया है,लेकिन आज हम इस पर अधिक बात करते हैंः अनन्या पांडे

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने कहा कि महिलाओं को ''बुरे वक्त'' का सामना हमेशा ही करना पड़ा है, लेकिन आज स्थिति बदली है और वे अब इन मुद्दों पर मुखरता से अपनी बात रखती हैं।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों तथा सिनेमा जगत में उनके साथ होने वाले बर्ताव पर किए एक सवाल पर अनन्या ने कहा कि जागरूकता बढ़ाना जरूरी है लेकिन समाज में वास्तविक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

अभिनेत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' महिलाओं ने हमेशा बुरे वक्त का सामना किया है, अब हम इसके बारे में काफी कुछ बोल रहे हैं। इसके बारे में बात करना एक बात है लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है इसको लेकर कुछ करना।'' उन्होंने कहा, '' एक महिला और एक कलाकार के तौर पर हम अपने आस-पास के पुरुषों को यह बताकर अपना योगदान दे रहे हैं कि वे इन परिस्थितियों का कैसे बेहतर बना सकते हैं और साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवाज उठा रहे हैं।''

'कॉल मी बे' वेब सीरीज की अभिनेत्री अनन्या ने कहा कि खासतौर पर कानून के जरिये व्यवस्थागत बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा, '' सबसे महत्वपूर्ण कदम कानून में बदलाव लाना है और सरकार इसमें कई बदलाव कर रही है।''

ओटीटी मंच 'प्राइम वीडियो' पर प्रसारित होने वाली इस सीरीज 'कॉल मी बे' में पांडे की सह-अभिनेत्री निहारिका लायरा दत्त ने कहा कि यह ''काफी अच्छा'' है कि महिलाएं फिल्म उद्योग में असमानता के बारे में बात कर रही हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व के चतुर्थ दिवस को प्रमोद दिवस के रूप में मनाया गया।

प्रभु का पालना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, मुनिश्री निर्मोहप्रभविजयजी व साध्वीश्री की निश्रा में चिकपेट आदिनाथ दादा के दरबार में पर्युषण महा पर्व के पांचवें दिवस पर परमात्मा महावीर का जन्म वाचन सम्पन्न हुआ। इस मौके पर माता त्रिशला द्वारा देखे 14 स्वप्नों का प्रदर्शन किए गए। श्रद्धालुओं ने बड़े हर्षोल्लास के साथ चढ़ावों में लाभ लिया, लब्धि मंडल द्वारा भक्ति की की प्रस्तुति दी गई। परमात्मा का पालना महावीर ग्लास हॉउस आहोर निवासी के घर शोभायात्रा के साथ ले जाया गया।

प्रभु महावीर को हृदय में धारण करने से ही होगी जन्म वांचन मनाने की सार्थकता : मुनिश्री मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में पर्युषण महापर्व के पंचम दिवस परमात्मा महावीर का जन्म वांचन संतश्री मलयप्रभसागरजी म. सा. के मुखारविंद से सकल संघ को श्रवण करवाया गया। इस अवसर पर मुनि मुकुलप्रभसागरजी, साध्वीश्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की सान्निध्यता प्राप्त हुई। पर्युषण महापर्व के कल्पसूत्र प्रवचन के दौरान वर्णित महावीर जिन चरित्र के प्रवचन के दौरान महावीर जन्म प्रसंग पर गुरुदेव द्वारा जन्म वांचन किया गया। इस अवसर पर गुरुवर ने कहा कि परमात्मा का जन्म वांचन मनाने की सार्थकता तभी होगी जब हम महावीर को अपने हृदय में उतारेंगे। दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी द्वारा उपस्थित जनों का स्वागत किया गया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि सकल संघ द्वारा परमात्मा महावीर के जन्म कल्याणक की खुशियां मनाई गई और श्रीफल बधार कर और एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर सभी को परस्पर बधाइयां दी। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने संचालन किया और कहा कि परमात्मा के जन्म प्रसंग पर घंटनाद करके और थाली बजाकर परमात्मा के जन्म की उद्घोषणा सकल विश्व को दी गई। ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर संघ के अनेक सदस्य परिवारों द्वारा माता त्रिशला द्वारा देखे गए चौदह महास्वप्नों को भी बधाकर और सकल संघ को दर्शन करा कर विराजमान किया गया और पालना के वरघोड़े में उनके परिवार के सदस्यों द्वारा सिर पर रखकर पालना के लाभार्थी निहालचंद लालचंद सोनीगरा परिवार के निवास स्थान पर पहुंचाया गया।

सकल संघ के स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी अनिलकुमार कुनालकुमार भडकतिया परिवार का सम्मान किया गया। जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल ने व्यवस्थाएं संभाली।

नेलमंगला कुटीर आश्रम में हुआ भव्य श्रीरामार्चन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के नेलमंगला में स्वामी निर्मलस्वरूपजी महाराज के सान्निध्य में वासुदेव कुटीर आश्रम में सम्पूर्ण विश्व में फैली अराजकता तथा उपद्रवों से शांति के लिए भव्य श्रीरामार्चन का आयोजन किया गया, जिसमें वेदमूर्ति आचार्य प्रणव शर्मा, डॉ. ललित शास्त्री, वेदमूर्ति आचार्य मनीष सहित काशी एवं जम्मू से पधारे अनेक वैदिक आचार्यों द्वारा पूजा तथा अर्चन करवाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन दुर्गाराम माली ने करवाया जिसमें जयंतीलाल दवे, महादेव ओझा, रूपलाल सीरवी, हकमाराम पटेल, मोहन माली, रतन सीरवी, नारायण सीरवी, नेमाराम सीरवी आदि समाज के विभिन्न गणमान्य लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

बेंगलूरु में जबरन वसूली के प्रयास के मामले में कुख्यात अपराधी बच्चा खान गिरफ्तार

हुब्बल्ली। कर्नाटक के हुब्बल्ली-धारवाड़ पुलिस ने जबरन वसूली के प्रयास के मामले में कुख्यात अपराधी बच्चा खान और सात अन्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हत्या के एक मामले में दोषी खान 45 दिन की पैरोल पर बाहर है और उसी समय उसे हिरासत में लिया गया।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि हुब्बल्ली-धारवाड़ क्षेत्र के मंटूर गांव में 70 वर्षीय एक व्यक्ति को 18 से 20 अगस्त के बीच दो अलग-अलग फोन नंबर से कई बार कॉल आईं। कुमार ने बताया, उसका जमीन से जुड़ा कोई विवाद था। रुपयों का लेन-देन पूरा नहीं हुआ था इसलिए वह अपने बकाया भुगतान के लिए संबंधित व्यक्ति के पास नियमित तौर पर जाता रहता था। इस दौरान उसे दो अलग-अलग फोन नंबर से कई बार कॉल आईं और उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। कॉल करने वाले अज्ञात शख्स ने पीड़ित को उसके परिवार के बारे में बताया कि वे कब-कब कहां जाते हैं।

उन्होंने कहा, ''कॉल करने वाले ने एक करोड़ रुपये की मांग रखी। शिकायत के आधार पर हमने मामला दर्ज किया और मामले की जांच केंद्रीय अपराध शाखा से करवाई। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर हमने हुब्बल्ली-धारवाड़ क्षेत्र से सात लोगों को गिरफ्तार किया।'' इसके अलावा, खान को बेंगलूरु से गिरफ्तार किया। कुमार ने बताया कि कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

माइक्रोसॉफ्ट की जनरेटिव एआई में कौशल विकास के लिए कर्नाटक के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर की योजना

बेंगलूरु। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट जनरेटिव 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (एआई) और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहा है। यह घोषणा मंत्री पाटिल और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया एवं दक्षिण एशिया के अध्यक्ष पुनीत चंडोक के नेतृत्व में माइक्रोसॉफ्ट प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक के बाद की गई। बैठक में कंपनी की आगामी पहलों पर विचार-विमर्श किया गया।

'दुख, कष्ट और संकट हमारे धैर्य की परीक्षा लेते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में पर्युषण पर्व प्रसंग पर महावीर भवन में परंपरागत अंतगड दशा सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभयकुमार बांठिया ने कहा कि दुख, कष्ट और संकट हमारे धैर्य की परीक्षा की लेते है। आगम में गजसुकुमाल का वर्णन आता है जिसमे उनके होने वाले ससुर ने ही उनके सर पर पाल बांध अंगारे भर दिए थे। धधकते अंगारों के भीषण परिषह को गजसुकुमाल मुनि ने यह चिंतन करते हुए सह लिया कि यह मेरे ही पूर्व कृत कर्मों का उदय है और शरीर जल रहा है। आत्मा को कोई जला नही सकता है। वे आग की गर्मी को सह गए्। हम आगम श्रवण कर कम से कम बात की गर्मी को सहन करना सीखें। मन विपरीत वचनों पर प्रतिक्रिया न करें और न वैर की गांठ बांधे। हम आवेश में गलत तो कर देते है और बाद में घबराते हैं। अपने आवेश पर कुछ समय का नियंत्रण कई विपदाओं से हमें बचा लेता है। आवेश में हम स्वयं का भान भूल जाते हैं और मात्र बदले की भावना में बह कर अनर्थ कर लेते हैं। मंगल पाठ और प्रत्याख्यान के साथ विवेचन संपन्न हुआ।

वाणी संयम से आत्म शक्ति के साथ अनंत शक्तियों की वृद्धि होती है : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा विजयनगर के अंतर्गत पयुर्षण पर्व का चतुर्थ दिवस साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में वाणी संयम दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने कहा कि जीवन में वाणी संयम की बहुत अपेक्षा है, हम कैसे बोले, क्या बोले, वाणी का सदुपयोग करना सीखें। कलापूर्ण बोलना सीखें हम अपनी जबान को स्वाध्याय, जप आदि कार्यों में लगाते हैं तो अनंत कर्मों की निर्जरा होती है हमें कलापूर्ण बोलने के साथ-साथ मौन के अभ्यास का भी प्रयास करना चाहिए। वाणी संयम से आत्म शक्ति के साथ-साथ हमारे भीतर अनंत शक्तियों की भी वृद्धि होती है। इसके साथ ही साध्वीश्री ने आवश्यक प्रतिक्रमण के विषय में बताते हुए कहा कि प्रतिक्रमण साधना है आत्मशुद्धि की, स्वयं को भीतर से जागाने की सक्रिय साधना है प्रतिक्रमण। यह जैन दर्शन का प्राण है। सूत्रों में इसके पांच प्रकार बताए गए हैं। पाप के प्रति जो हमारा लगाव होता है उसे धोने के लिए उससे ऊपर उठने के लिए, उनकी आलोचना एवं प्रायश्चित करने के लिए प्रतिक्रमण किया जाता है। इसे आत्मनिरीक्षण की प्रक्रिया भी बताया गया है। शास्त्रों में कहा गया है उत्कृष्ट भाव के साथ प्रतिक्रमण द्वारा भूलों की आलोचना की जाए तो तीर्थंकर गोत्र का बंध तथा केवल ज्ञान भी हो सकता है।

साध्वीश्री मलययशाजी ने वाणी संयम पर अपने उद्गारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि हमारी वाणी बहुत बलवान होती है। वाणी से समस्या का समाधान भी हो सकता है और समस्या बढ़ भी सकती है।

यह हमें ऊपर की ओर भी उठा सकती है तो पतन के मार्ग पर भी ले जा सकती है। सूत्रों में वाणी के चार प्रकार बताए गए हैं मितभाषी, मधुर भाषी, सम्यक भाषी और सूक्ष्मभाषी। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने भगवान महावीर के जन्म भवों की श्रृंखला में त्रिपिष्ट वासुदेव के भव का वर्णन करते हुए कई भवों का वर्णन किया। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी द्वारा उत्तराध्यन सूत्र का वाचन किया गया। सिद्धप्रभाजी व सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने साध्वीश्री धैर्यप्रभाजी के देवलोक गमन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में दक्षिणांचल सभा प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, सभा मंत्री दिनेश हिंगड़, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष मंजु गादिया एवं अन्य उपस्थित थे।

भगवत्तता प्राप्त करने की कला सिखाता है अन्तकृत सूत्र : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने अंतगढ़ सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि अन्तकृत सूत्र में भगवत्तता प्राप्त करने की कला समझाई है। कुछ बाधक तत्व बताए जा रहे है, उससे बचने में ही आत्मा मोक्ष मार्ग में निराबाध गतिशील बनेगी। श्रावकों के वर्णन में प्रत्येक मास में छह पौषध का ध्रुव विधान बताया। चरम शरीरी अर्थात् उसी भव में मोक्ष जाते है, ऐसी आत्माएँ सभी बाह्य तप अनशनादि करते ही है, एकांत नियम नहीं है। पूर्व कर्मो का भार (मोह) ज्यादा रहता है तो बाह्य तप अधिक करते है ,जो हलुकर्मी होते है उन्हें अल्प समय में आभ्यन्तर तपों से ही संपूर्ण अष्ट कर्मों का क्षय कर मोक्ष प्राप्त कर लेते हैं्। दोपहर में गणेश बाग में भगवान महावीर स्वामी की माता ने 14 सपनों का वर्णन किया गया। जन्म वांचन कल होगा। बड़ी साधु वंदना सामूहिक की गई। कल्प सूत्र का वांचन किया गया। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

खुशहाली के लिए नशामुक्ति जरूरी: राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में विराजित राजेशमुनिजी ने पर्युषण पर्व के चौथे दिन नशा मुक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर देश को नशामुक्त बनाना है। इसकी पहल व्यक्ति को स्वयं से करनी होगी। उसके बाद परिवार और फिर समाज में लोगों को जागरूक करना होगा। नशा चाहे व्यसनों का हो या अहंकार का, अभिमान का या लोभ का, या मद का, हर प्रकार के नशे से छुटकारा पाना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। तभी देश में सच्ची खुशहाली आ सकती है। हमें अपने उत्थान के लिए पुण्यवानी को बढ़ाना चाहिए्। हमें एक दूसरे का सम्मान करना होगा। अतिथियों का सत्कार और साधर्मिक की सेवा करनी होगी। मुनि ने कहा कि संत भगवान के दूत होते हैं इसलिए उनका अपमान भगवान का अपमान समझना चाहिए्। संतों के सहारे ही हम जीवन का कल्याण कर सकते हैं। हमें अपनी लालसा को लगाम लगाना होगा। कषायों से मुक्ति पानी होगी। तभी हम संसार सागर से पार हो पाएंगे। हमारे मन, वचन और काया से किसी को दुख नहीं पहुंचे, यही धर्म की आधारशिला है। इस मौके पर ऋषभमुनिजी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

'व्यक्ति जीवन में प्रमोद भाव के गुण को अपनाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व के चतुर्थ दिवस को प्रमोद दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि गुणों को ग्रहण करना, गुणों से प्रेम करना, गुणीजनों को देखकर प्रमुदित, खुश होना, मुख की प्रसन्नता आदि के द्वारा अन्तस में भावित, भक्ति और अनुराग की अभिव्यक्ति का होना प्रमोद भावना है। विनम्रता, वैराग्य, अभय, निरभिमानता, निर्लोभता आदि गुण प्रमोद भावना के ही अन्तर्गत आते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण के जीवन की अनेक दिव्य विशेषताओं में एक यह महान विशिष्ट विशेषता थी कि वे गुणगाही-प्रमोद भावना से ओत-प्रोत थे। दूसरों के अवगुणों को न देखकर गुणों पर दृष्टि दौड़ाना ही प्रमोद भावना है। संसार में आपको कोई भी इन्सान ऐसा नहीं मिलेगा जिसमें कोई न कोई गुण न हो। जिनकी आप प्रशंसा न कर सकें।

इससे पूर्व साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने अन्तगढ़ सूत्र का वांचन एवं विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि धन्य है गजसुकुमालजी की क्षमा, तितिक्षा एवं सहन शक्ति की कि उन्होंने इतनी असहनीय व अकल्पनीय वेदना को बड़े ही समभाव एवं उत्कृष्ट अध्यवसायों के साथ सहन किया और आत्मा के अन्तिम लक्ष्य मोक्ष को प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि सबसे कठिन तप है समभाव, की साधना। क्योंकि कई बार साधक मास-मासखमण की तपस्या भी कर लेता है। मगर उसी साधक को कई बार घड़ी भर का समभाव रखना भी अति कठिन हो जाता हैं। कर्म की गति विचित्र हैं। हमें भी गुजसुकुमाल मुनि के महान प्रेरक जीवन से प्रेरणा लेते हुए क्षमा का विशिष्टगुण अपने जीवन में ग्रहण करना चाहिए। गुरुवार को मध्यान्ह में 2 बजे से भगवान महावीर जन्म वांचन होगा। तत्पश्चात 14 स्वप्न पर आधारित नाटिका होगी। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका स्वागत किया। किया। कार्यक्रम संचालन संघ मंत्री सुरेश धोका ने किया ।

'मिष्ट-शिष्ट और संयमित वाणी के प्रयोग से अनेक समस्याओं का हल संभव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वीश्री उदितयशाजी ने वाणी संयम की प्रेरणा देते हुए संयमित वाणी के रहस्य बताएं। भगवान महावीर के 15 भव का उल्लेख किया। भगवान की आत्मा ने भी मरीचि के भव में गोत्र का अहंकार करके निम्न गोत्र कर्म का बंध किया। 'ममाहो उत्तम कुलं' अहंकार अथवा रोष करना कर्म बंधन का कारण बनता है। यह इसका निदर्शन है। साध्वी संगीतप्रभाजी ने भगवान ऋषभ के पूर्व भवों की चर्चा करते हुए बताया कि मित्रता व शत्रुता का अनुबंध जन्मों जन्मों तक चलता है। जीवानंद वैद्य अपने सभी मित्रों के साथ बारहवें देवलोक में उत्पन्न होते हैं । वहां से आकर पुंडकीरिणी नगरी में एक राजा के यहां पांच भाई के रूप में उत्पन्न होते हैं । वज्रनाम चक्रवर्ती बनते हैं वहां से साधना करके सर्वार्धसिद्ध विमान में उत्पन्न होते हैं। तब मरूदेवा माता के गर्भ में आते हैं तब माता 14 स्वप्न देखती है। स्वप्न शास्त्र में वह 72 सपनों का उल्लेख ह।

साध्वी शिक्षाप्रभाजी ने वाणी संयम पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे पास देखने व सुनने के दो दो साधन है लेकिन बोलने के लिए एकमात्र जीभ है । सबसे अच्छा मौन है ,संयमपूर्वक बोलना। हमें अपनी वाणी पर संयम करना चाहिए। मिष्ट-शिष्ट और संयमित वाणी का प्रयोग करने से हम अनेक समस्याओं से बच सकते हैं। जाप सयोजक राजेंद्र बैद ने पर्युषण पर्व में दिन -रात अखंड नवकार मंत्र का जप अनुष्ठान रूपी महायज्ञ चल रहा है सभी योगभूत बन सके इसका आह्वान किया । सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने विभिन्न जानकारियां दी। धर्मेश कोठारी ने तेरापंथ कार्ड,किरण कटारिया ने अल्पसंख्यक कार्ड तथा बद्रीलाल पितलिया ने प्रचार प्रसार की व्यवस्था संभाली ।

वाणी हमारे व्यक्तित्व की कसौटी होती है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व के अन्तर्गत वाणी संयम दिवस मनाया गया। इस मौके पर साध्वी संयमलताजी ने कहा कि भगवान ने चार प्रकार की भाषा कही है। उनमे सत्यमाण व व्यवहार भाषा आचरणीय है। सत्य भाषा बोलने वाले के लिए अग्नि शीतल जल बन जाती है, शत्रु भी मित्र बन जाता है, देवता सेवक बन जाते हैं और पहाड भी घर बन जाता है। वाणी हमारे व्यक्तित्व की कसौटी होती है। वाणी की मधुरता हमारे परिवार को घर को स्वर्ग बना देती है। मीठी वाणी में ऐसी ताकत है जो एक पाई पैसा खर्च किए बिना ही सारी दुनिया को अपने वश में कर लेती है। वाणी हमें बहुत पुण्याई से प्राप्त हुई है तो इसका संयम व समझ पूर्वक उपयोग करना चाहिए। साध्वीजी ने भगवान महावीर के पूर्व भवों का वर्णन बड़े ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। साध्वीश्री साध्वि मनीषाप्रभाजी ने दान, शील, तप, भावना को व्याख्यायित करते हुए शीला की महत्ता बताई । उत्तराध्यन सूत्र के अनेक प्रंसगों को प्रस्तुत किया। साध्वी रौनकप्रभाजी ने चौबीसी के संगान के साथ भक्तामर स्तोत्र के अर्थ एवं व्याख्या की।

प्रतिभा सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक सरकार शिक्षा विभाग द्वारा कामाक्षीपाल्या क्लस्टर स्तरीय 'प्रतिभा कारंजी कार्यक्रम' के समापन समारोह में बाल प्रतिभाओं के साथ मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, क्षेत्रीय शिक्षण अधिकारी एवं शिक्षकगण। मुणोत ने सभी प्रतिभाओं का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com